ALL INDIA FULL MOCK-GS PRELIMS 2020: PAPER 1-IASBABA

IASBABA

GENERAL STUDIES OPEN MOCK 1

Q.1) Solution (b)

सरकार देश में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए पोषण अभियान (जिसे पहले राष्ट्रीय पोषण मिशन के नाम से जाना जाता है) लागू कर रही है।

समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए, राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के सभी जिलों को अभियान में शामिल किया गया है।

पोषण अभियान के लक्ष्य 0-6 वर्ष के बच्चों, किशोर लड़कियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में तीन वर्ष के दौरान निर्धारित लक्ष्यों के साथ समयबद्ध तरीके से पोषण की स्थिति में सुधार करना है।

क्रम सं.	उद्देश्य	लक्ष्य
1	बच्चों में स्टंटिंग को रोकना और कम करना (0- 6 वर्ष)	6% से 2% प्रति वर्ष
2	बच्चों में अल्प-पोषण (कम वजन वाले होने का प्रचलन) को रोकना और कम करना (0-6 वर्ष)	6% से 2% प्रति वर्ष
3	छोटे बच्चों में एनीमिया के प्रसार को कम करना (6-59 महीने)	9% से 3% प्रति वर्ष
4	15-49 वर्ष की आयु के महिलाओं और किशोर लड़कियों में एनीमिया के प्रसार को कम करना।	9% से 3% प्रति वर्ष
5	जन्म के समय कम वजन की स्थिति को घटाना (LBW)।	6% से 2% प्रति वर्ष

Q.2) Solution (c)

भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) भारतीय उद्योग के साथ साझेदारी में संगठन स्थापित करने में भारत सरकार का एक अग्रणी प्रयोग है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) एक गैर-लाभकारी स्वायत्त सोसाइटी के रूप में देश में एक मान्यता प्राप्त संरचना स्थापित करने के लिए और एक राष्ट्रीय गुणवत्ता अभियान चलाकर भारत में गुणवत्ता अभियान को फैलाने के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम XXI के तहत पंजीकृत है।

QCI एक परिषद द्वारा शासित होता है, जिसमें अध्यक्ष और महासचिव सहित 38 सदस्य होते हैं, जहाँ अध्यक्ष को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा नामित किया जाता है।

Q.3) Solution (d)

संवृद्धि की सीमाएँ (Limits to Growth) संसाधनों की एक सीमित आपूर्ति के साथ गुणात्मक आर्थिक और जनसंख्या वृद्धि के कंप्यूटर सिमुलेशन पर 1972 की रिपोर्ट है।

वोक्सवैगन फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित और क्लब ऑफ रोम द्वारा अधिकृत, अध्ययन के निष्कर्ष पहली बार 1971 की गर्मियों में मास्को और रियो डी जनेरियो में अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में प्रस्तुत किए गए थे।

Q.4) Solution (a)

पिछले पाँच वर्षों में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी में लगातार वृद्धि हुई है।

वित्त वर्ष 15- 16 में प्राथमिक क्षेत्र का हिस्सा 17.7% था। वित्त वर्ष 16-17 में यह बढ़कर 17.9 हो गया और फिर वित्त वर्ष 17-18 में घटकर 17.1 रह गया। इस प्रकार, इसमें लगातार गिरावट नहीं आई है। वित्त वर्ष 18-19 में यह बढ़कर 18.57 हो गया है।

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण 2019-2020

Q.5) Solution (d)

एक बंद जलसंभर प्रणाली बेसिन (endorheic basin या एंडोरिक बेसिन) एक सीमित जल निकासी बेसिन होता है, जो सामान्य रूप से पानी को बनाए रखता है तथा पानी के अन्य बाहरी निकायों जैसे नदियों या महासागरों के लिए कोई बहिर्वाह की अनुमति नहीं देता है, लेकिन झीलों या दलदलों, स्थायी या मौसमी परिवर्तन के बजाय, वाष्पीकरण के माध्यम से संतुलित होता है।

इस तरह के बेसिन को एक बंद या टर्मिनल बेसिन या आंतरिक जल निकासी प्रणाली या आंतरिक जल निकासी बेसिन के रूप में भी संदर्भित किया जा सकता है।

पश्चिमी और मध्य एशिया का अधिकांश विशाल क्षेत्र है, जो कई प्रकार के सन्निहित बंद जलसंभरों से बना है। इस क्षेत्र में कई बेसिन और टर्मिनल झीलें शामिल हैं:

- कैस्पियन सागर, पृथ्वी पर सबसे बड़ी झील। पूर्वी यूरोप का एक बड़ा हिस्सा, जहाँ वोल्गा नदी बहती है, कैस्पियन बेसिन का हिस्सा है।
- ईरान के पश्चिमी अज़रबैजान प्रांत में उर्मिया झील।
- चीन-भारत सीमा पर पैंगोंग त्सो और अक्साई चिन झील।
- मृत सागर, पृथ्वी की सबसे निचला सतही बिंदु तथा पानी के सबसे खारे निकायों में से एक, इज़राइल और जॉर्डन के बीच स्थित है।
- सांभर झील, राजस्थान, उत्तर-पश्चिमी भारत में
- पूर्वी तुर्की में लेक वैन।

Q.6) Solution (c)

नंदिनी वन्यजीव अभयारण्य- जम्मू और कश्मीर

ईगलीनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य- अरुणाचल प्रदेश

पोबीतोरा वन्यजीव अभयारण्य - असम

पुष्पगिरी वन्यजीव अभयारण्य- कर्नाटक

Q.7) Solution (b)

अनुच्छेद 312, 1976 में इसके संशोधन के बाद, यह प्रावधान प्रदान करता है कि, यदि राज्य सभा ने उपस्थित और मतदान करने वाले न्यूनतम दो तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा घोषित किया है कि ऐसा करना राष्ट्रीय हित में आवश्यक या समीचीन है, तो संसद कानून द्वारा संघ और राज्यों के लिए एक या अधिक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के निर्माण के लिए प्रावधान प्रदान करते हैं।

- AIJS निचली अदालत के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए एक प्रस्तावित न्यायिक सेवा है।
- मूल संविधान AIJS के निर्माण के लिए प्रावधान प्रदान नहीं करता है।
- 1976 में स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के बाद, अनुच्छेद 312 को AIJS प्रदान करने के लिए 1977 में 42 वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा संशोधित किया गया था।

https://www.ndtv.com/jobs/indian-judicial-service-government-is-in-a-consultative-process-says-law-ministry-2189906

Q.8) Solution (c)

उद्योग	**भारांश (प्रतिशत में)**
पेट्रोलियम और रिफाइनरी उत्पादन	28.04
विद्युत उत्पादन	19.85
इस्पात उत्पादन (तीसरा)	17.92
कोयला उत्पादन	10.33
कच्चे तेल का उत्पादन	8.98
प्राकृतिक गैस का उत्पादन	6.88

- चीन 2018 (928 मिलियन टन) में विश्व का सबसे बड़ा कच्चा इस्पात उत्पादक बना रहा, उसके बाद भारत (106 मिलियन टन), जापान (104 मिलियन टन) और संयुक्त राज्य अमेरिका (87 मिलियन टन) थे।
- 2017 में विश्व इस्पात एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित प्रति व्यक्ति तैयार इस्पात की खपत विश्व के लिए 212 किलोग्राम और चीन के लिए 523 किलोग्राम थी तथा भारत के लिए यह 69 किलोग्राम (उच्चतम में से एक नहीं) थी।

- भारत विश्व में स्पंज आयरन का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दुनिया में तीसरा सबसे बड़ाइस्पात उपभोक्ता है।
- सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 की शुरुआत सहित इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं तथा स्वचालित मार्ग के तहत इस्पात क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दी है।
- भारतीय इस्पात क्षेत्र में वृद्धि लौह अयस्क और लागत प्रभावी श्रम जैसे कच्चे माल की घरेलू उपलब्धता से प्रेरित है। नतीजतन, भारत के विनिर्माण उत्पादन में इस्पात क्षेत्र का बड़ा योगदान रहा है।
- उनके भारांश के घटते क्रम में आठ कोर इंडस्ट्रीज: रिफाइनरी उत्पाद> बिजली> इस्पात> कोयला> कच्चा तेल> प्राकृतिक गैस> सीमेंट> उर्वरक।

Q.9) Solution (d)

प्रकृति के लिए विश्वव्यापी निधि (WWF) ने **अर्थ आवर (Earth Hour)** और **डेट-फॉर-नेचर स्वैप (Debt-for-Nature Swap)** सहित कई उल्लेखनीय विश्वव्यापी अभियान शुरू किए हैं, तथा इसका वर्तमान कार्य इन छह क्षेत्रों के संबंधित आयोजित किया जाता है: भोजन, जलवायु, ताज़े जल, वन्यजीव, वन और महासागर।

डेट-फॉर-नेचर स्वैप (Debt-for-Nature Swap) वित्तीय लेनदेन हैं जिसमें एक विकासशील राष्ट्र के विदेशी ऋण का एक हिस्सा पर्यावरण संरक्षण के उपायों में स्थानीय निवेश के बदले में माफ किया जाता है।

सेशेल्स ऐसा पहला देश था जिसने अपने समुद्री पर्यावरण की रक्षा के लिए **डेट-फॉर-नेचर स्वैप** जारी किया; यह एक नीला बांड (blue bond) जारी करने वाला पहला था, जो सतत समुद्री और महासागर से संबंधित परियोजनाओं को वित्त देने के लिए पूंजी जुटाता था।

Q.10) Solution (a)

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नैसकॉम के साथ मिलकर फ्यूचर स्किल्स पहल के विस्तार को मंजूरी दी है।

- फरवरी 2018 में, फ्यूचर स्किल्स पहल को उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचैन, आदि में आईटी उद्योग के कर्मचारियों के पुनःकौशल की घोषणा की गई।
- अब, अगले तीन वर्षों में 4 लाख पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ, विभिन्न क्षेत्रों, उच्च शिक्षा के छात्रों और सरकारी अधिकारियों के उद्योग के पेशेवरों के लिए Future Skills पहल को PRIME के रूप में विस्तारित किया गया है।

Q.11) Solution (d)

ग्रीन मफलर अत्यधिक तेज़ ध्वनि के प्रभाव को कम करने के लिए शोर वाले स्थानों के पास उत्पन्न बाधाएं हैं।

आम तौर पर, हरे पौधों / पेड़ों की 4 से 5 पंक्तियों को राजमार्गों या औद्योगिक क्षेत्रों जैसे शोर वाले स्थानों के पास उगाया जाता है ताकि वे अनावश्यक ध्वनि को बाधित करें।

Q.12) Solution (c)

अंतर्राष्ट्रीय उष्णकटिबंधीय इमारती लकड़ी संगठन (International Tropical Timber Organization) एक अंतर-सरकारी संगठन है जो उष्णकटिबंधीय वनों के सतत प्रबंधन और संरक्षण को बढ़ावा देता है तथा उष्णकटिबंधीय लकड़ी में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार और विविधीकरण को निरंतर प्रबंधित और वैधानिक रूप से वनों की कटाई करवाता है।

अन्य सभी गैर-सरकारी संगठन हैं।

Q.13) Solution (d)

औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (Drugs & Cosmetics Act, 1940) भारत में दवाओं के आयात, निर्माण, वितरण और बिक्री को नियंत्रित करता है।

अधिनियम का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में बेची जाने वाली दवाएं और सौंदर्य प्रसाधन सुरक्षित, प्रभावी और राज्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों।

संबंधित ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में दी गयी अनुसूची के तहत दवाओं के वर्गीकरण के प्रावधान हैं तथा प्रत्येक अनुसूची के भंडारण, बिक्री, प्रदर्शन और पर्चे के लिए दिशानिर्देश हैं।

Q.14) Solution (a)

LPA 50 वर्ष की अवधि के लिए दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान पूरे देश में प्राप्त औसत वर्षा है।

आईएमडी द्वारा पांच वर्षा वितरण श्रेणियां

- **सामान्य या निकट सामान्य (Normal or Near Normal):** जब वास्तविक वर्षा का प्रतिशत प्रस्थान एलपीए के 96-104% के बीच होता है, जो कि LPA का 10% होता है।
- **सामान्य से कम (Below Normal):** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 10% से कम होता है, तो यह LPA का 90-96% होता है।
- **सामान्य से ऊपर (Above Normal):** जब वास्तविक वर्षा एलपीए का 104-110% होती है।
- **कमी (Deficient):** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 90% से कम होती है।
- **अत्यधिक (Excess):** जब वास्तविक वर्षा का प्रस्थान LPA के 110% से अधिक होता है।

Q.15) Solution (d)

सभी सही ढंग से सुमेलित हैं।

- कुंदुज शहर- अफगानिस्तान
- बदमे- इरिट्रिया- जो इथियोपिया-इरिट्रिया संघर्ष के कारण खबरों में था
- सुक्रे, बोलिविया की राजधानी है (समाचार में: बोलिविया के राष्ट्रपति इवो मोरालेस ने अक्टूबर 2019 में अपने विवादित पुनः चुनाव के बाद उथल-पुथल के बीच इस्तीफा दिया)

Q.16) Solution (b)

1672 में विद्रोह तब आरंभ हो गया था, जब एक मुगल सैनिक ने एक सतनामी को मार डाला था।

- सतनामियों ने बदला लेने के लिए सैनिक को मार डाला तथा बदले में उन्हें सबक सिखाने के लिए मुगल सैनिकों को भेजा गया।
- कुछ 5,000 सतनामियों ने हथियार उठाए तथा शहर (नारनौल) से मुगल सैनिकों को भगाया, मुगल प्रशासकों को हटा दिया और अपने नेता बीरभान के अधीन अपना प्रशासन स्थापित किया
- इसके बाद, उन्होंने शाहजहानाबाद (पुरानी दिल्ली) की ओर मार्च किया, जो नवीनतम यूरोपीय-डिज़ाइन किए गए कस्तूरी (muskets) से लैस थे, जो उनके नेता ने उन्हें बनाना सिखाया था।
- विद्रोह तब कुचला दिया गया, जब औरंगजेब ने स्वयं व्यक्तिगत कमान संभाली तथा सतनामियों को कुचलने के लिए तोपखाने के साथ 10,000 सैनिकों को भेजा।

Q.17) Solution (a)

पर्यावरणीय उपलब्धि के लिए 2020 टायलर पुरस्कार को अक्सर 'पर्यावरण के लिए नोबेल पुरस्कार' के रूप में वर्णित किया जाता है, जो संरक्षणवादी जीवविज्ञानी ग्रेचेन सी. डेली और पर्यावरणीय अर्थशास्त्री पवन सुखदेव को दिया गया है, जो हमारे प्राकृतिक पर्यावरण के आर्थिक मूल्य को प्रकाशित करने और मात्रात्मक वर्णन देने, दोनों में अग्रणी हैं।

Q.18) Solution (b)

ISFR-2019 के अनुसार

वनों में भूमि के ऊपर और नीचे दोनों में जैवभार (बायोमास) का अनुमानित 296 Gt कार्बन जमा होता है, जो वनों में जमा कुल कार्बन का लगभग आधा हिस्सा होता है, बाकी आधा मिट्टी में कार्बन होता है।

वनीय कार्बन भंडारण के पांच वर्ग:

- **भूमि के ऊपर जैवभार (Above Ground biomass),** जिसमें मिट्टी के ऊपर के सभी जीवित जैवभार शामिल होते हैं, इनमें तना, ठूंठ, शाखाएं, छाल, बीज, और पत्ते शामिल होते हैं। इस श्रेणी में प्रत्यक्ष स्तर दिखते हैं।
- **भूमि के नीचे जैवभार (Below Ground biomass),** जिसमें वो सभी जीवित जड़ जैवभार शामिल होते हैं जो व्यास में 2 मिलीमीटर से अधिक मोटी होती हैं।
- **मृत लकड़ी (Dead Wood)** में सभी गैर-जीवित लकड़ी वाले जैवभार शामिल होते हैं, जो या तो खड़े हैं, जमीन पर (लेकिन कूड़े सहित नहीं), या मिट्टी में पड़े हुए हैं।

- **वनीय धरातल के कूड़े (Forest Floor litter)** में कूड़े, फ्यूमिक और ह्यूमिक लेयर तथा 7.5 सेंटीमीटर से कम व्यास वाले सभी गैर-जीवित जैवभार शामिल होते हैं, जो जमीन पर पड़े होते हैं।
- **मृदा कार्बनिक कार्बन (Soil Organic Carbon)** के अंतर्गत मिट्टी में 1 मीटर की गहराई तक सभी कार्बनिक पदार्थ शामिल होते हैं, लेकिन निचले स्तर की मोटी जड़ों को छोड़कर।

मृदा कार्बनिक कार्बन में अधिकतम कार्बन स्टॉक होता है।

अरुणाचल प्रदेश में अधिकतम कार्बन स्टॉक 1,051.32 मिलियन टन है, इसके बाद मध्य प्रदेश (588.73 मिलियन टन), छत्तीसगढ़ (480.25 मिलियन टन) और महाराष्ट्र (440.51 मिलियन टन) हैं।

FIGURE 9.4 Forest Carbon stock in different pools (in million tonnes)

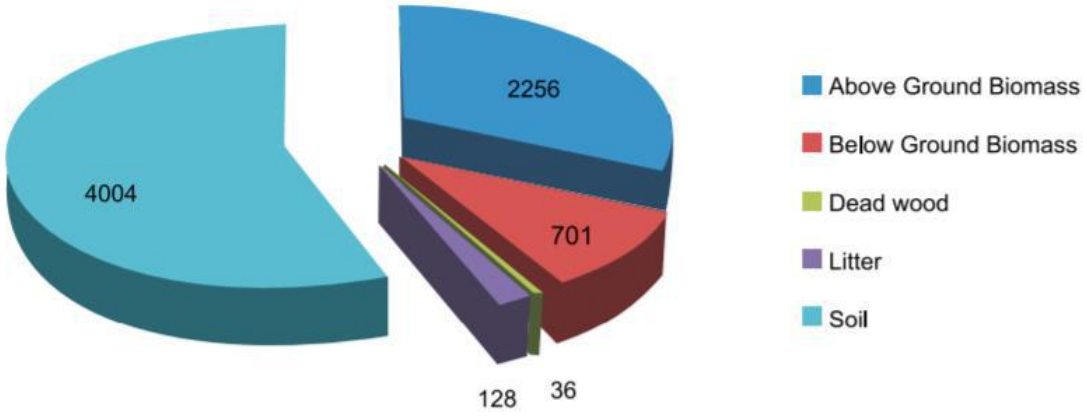

India State of Forest Report 2019

FIGURE 9.1 Five Carbon Pools in Forests

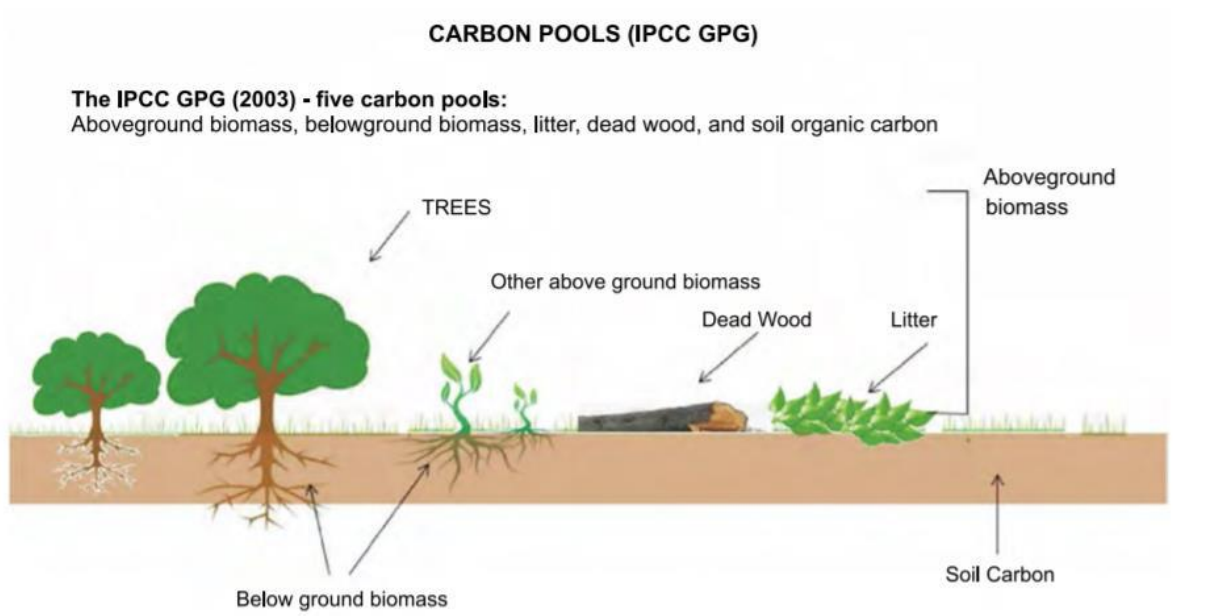

FIGURE 9.5 Forest Carbon stock in different pools (%)

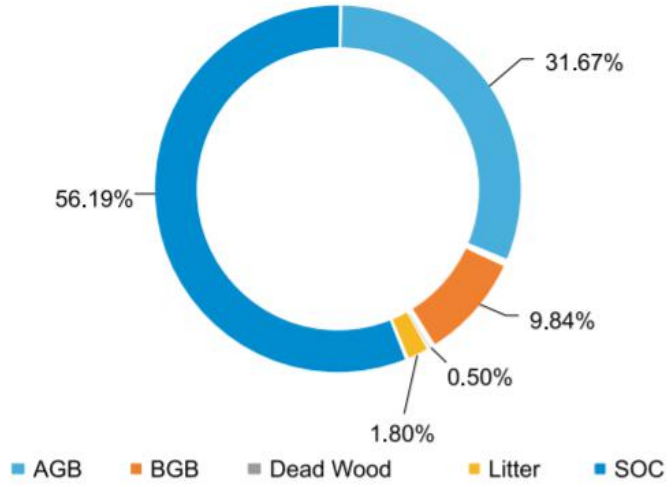

Q.19) Solution (c)

मुकुर्ती राष्ट्रीय उद्यान (Mukurthi National Park):

- पश्चिमी घाट में तमिलनाडु के उत्तर पश्चिमी कोने में स्थित संरक्षित क्षेत्र।
- पार्क अपनी कीस्टोन प्रजातियों, नीलगिरि तहर की रक्षा के लिए बनाया गया था।
- पार्क को पहले नीलगिरि तहर राष्ट्रीय उद्यान के रूप में जाना जाता था।

Q.20) Solution (c)

- हाल ही में तांगखुल नागाओं द्वारा आंग्ल-कूकी युद्ध (1917-19) के शताब्दी समारोह का विरोध किया गया था।
- कुकी मणिपुर के महाराजाओं के शासन के दौरान इम्फाल (मणिपुर) के आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों की प्रमुख जनजातियों में से एक थी।
- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कुकी विद्रोह की शुरुआत तब हुई, जब कूकी प्रमुखों ने शाही सेना की लेबर कॉर्प्स, एक इकाई जो ब्रिटिश सैनिकों को रसद सहायता प्रदान करने के लिए थी, में शामिल होने से इनकार कर दिया।
- 16 प्रमुख नगा जनजातियों में से एक, कुकी और तांगखुल् का लंबे समय से एक विरोधी संबंध रहा है
- मणिपुर पहाड़ियों में कुकी अपनी मातृभूमि होने का दावा करने वाले बड़े दल, नगा राष्ट्रवादी समूहों द्वारा परिकल्पित वृहद् नागालैंड या नागालिम के साथ अधिरोपित नागालैंड में रहते हैं।
- कुकी ने आंग्ल-कूकी युद्ध को स्मरण करने के लिए शिलालेख के साथ स्मारक पत्थरों की स्थापना का आह्वान किया है, जिस पर नागाओं ने आपत्ति जताई है
- नागाओं ने दावा किया कि कुकी इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि 1917 में कोई "आंग्ल-कूकी युद्ध" नहीं बल्कि एक "कूकी विद्रोह" हुआ है।

Q.21) Solution (b)

जलवायु नीति पहल' (Climate Policy Initiative- CPI) 70 विश्लेषकों और सलाहकारों का एक जलवायु थिंक टैंक है जो वित्त पर विशेष ध्यान देने के साथ विश्व भर में ऊर्जा और भूमि उपयोग की नीतियों को बेहतर बनाने के लिए काम करता है।

सीपीआई एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठन है, जो मुख्य रूप से ओपन सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा समर्थित है। इसे वैश्विक जलवायु वित्त पर नज़र रखने में एक अग्रणी विशेषज्ञ समूह माना जाता है।

इसका मिशन सरकारों, व्यवसायों और वित्तीय संस्थानों को जलवायु परिवर्तन को संबोधित करते हुए आर्थिक विकास को बनाए रखने में मदद करना है।

CPI के विश्व भर में छह कार्यालय ब्राजील, केन्या, भारत, इंडोनेशिया, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं।

सीपीआई द्वारा जारी रिपोर्ट

- जलवायु वित्त पर वैश्विक भू -दृश्य 2019 (Global Landscape of Climate Finance)
- 'ट्रैकिंग अनुकूलन वित्त: भू-दृश्य में वित्त प्रवाह को कैप्चर करने के लिए अग्रिम तरीके'।

Q.22) Solution (c)

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019: अधिनियम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की जगह लेता है।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं हैं:

एक उपभोक्ता की परिभाषा

- एक उपभोक्ता को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी भी वस्तु को खरीदता है या किसी सेवा को प्राप्त करता है।
- इसमें एक व्यक्ति शामिल नहीं है जो पुनर्विक्रय के लिए एक वस्तु या वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए एक वस्तु या सेवा प्राप्त करता है।
- यह ऑफ़लाइन, और ऑनलाइन माध्यमों से इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों, टेलीशोपिंग, मल्टी-लेवल मार्केटिंग या डायरेक्ट सेलिंग के माध्यम से लेनदेन को कवर करता है।

उपभोक्ताओं के अधिकार

- माल और सेवाओं के विपणन के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार जो जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक हैं।
- माल या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता, मानक और कीमत के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।

- प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न प्रकार की वस्तुओं या सेवाओं तक पहुंच का अधिकार।
- अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं के विरुद्ध निवारण का अधिकार।

साथ ही, उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने, उनकी सुरक्षा करने और उन्हें लागू करने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) की स्थापना की जाएगी।

अधिनियम उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और उनकी शिकायतों का समय पर निपटान करने का प्रयास करता है

CCPA के पास एक महानिदेशक की अध्यक्षता में एक जांच विंग होगी, जो संबंधित उल्लंघनों की जांच या परीक्षण कर सकती है।

CCPA भ्रामक विज्ञापन के लिए 10 लाख रुपये तक का जुर्माना और 2 साल तक कारावास की सजा दे सकता है।

अधिनियम यह भी कहता है कि शिकायत निवारण से निपटने के लिए उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (CDRCs) का गठन किया जाएगा।

जिला- 1 करोड़ रुपये तक के मूल्य की शिकायतें

राज्य - 1 करोड़ रुपये - 10 करोड़ रुपये

राष्ट्रीय - 10 करोड़ रुपये से अधिक

2019 अधिनियम में एक और प्रमुख परिचय **उत्पाद देयता (product liability)** की अवधारणा है जो मुआवजे के लिए किसी भी दावे के लिए उत्पाद निर्माता, उत्पाद सेवा प्रदाता और उत्पाद विक्रेता के दायरे में आता है।

- 'उत्पाद देयता' शब्द को 2019 अधिनियम द्वारा किसी भी उत्पाद या सेवा के उत्पाद निर्माता या उत्पाद विक्रेता की ज़िम्मेदारी के रूप में परिभाषित किया गया है, जो उत्पाद से संबंधित किसी उपभोक्ता को इस तरह के दोषपूर्ण उत्पाद द्वारा निर्मित या बेची गई या उत्पाद से संबंधित सेवाओं में कमी से की गई क्षति की भरपाई के लिए है।
- इसके अलावा, चूंकि उत्पाद विक्रेता को अब एक ऐसे व्यक्ति को शामिल करने के लिए परिभाषित किया गया है जो किसी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उत्पाद रखने में शामिल है, जैसे कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी शामिल होगा।
- इसलिए, आमतौर पर ई-कॉमर्स वेबसाइटों द्वारा लिया जाने वाला आधार जिसे वे केवल 'प्लेटफॉर्म' या 'एग्रीगेटर्स' के रूप में कार्य करते हैं, अब न्यायालय के सामने उन्हें बचाने योग्य नहीं होगा।
- उत्पाद सेवा प्रदाताओं और उत्पाद विक्रेताओं की तुलना में निर्माताओं के लिए देयता जोखिम में वृद्धि हुई है, यह देखते हुए कि 2019 अधिनियम के तहत, निर्माता उत्पाद देयता कार्रवाई में भी उत्तरदायी होंगे, जहां वे सफलतापूर्वक साबित करते हैं कि वे एक उत्पाद एक्सप्रेस वारंटी बनाने में लापरवाही या धोखाधड़ी नहीं किये थे ।
- हालांकि, देयता दावों से 2019 अधिनियम के तहत कुछ अपवाद प्रदान किए गए हैं, जैसे कि, उत्पाद विक्रेता उत्तरदायी नहीं होगा जहां उत्पाद का दुरुपयोग, परिवर्तित या संशोधित किया गया है।

Q.23) Solution (d)

एक वायरस एक छोटा परजीवी है जो अपने आप प्रजनन नहीं कर सकता है। एक बार जब यह एक अतिसंवेदनशील कोशिका को संक्रमित करता है, हालांकि, एक वायरस कोशिका प्रणाली को अधिक वायरस उत्पन्न करने के लिए निर्देशित कर सकता है। अधिकांश वायरस में या तो आरएनए या डीएनए उनके आनुवंशिक पदार्थ के रूप में होता है। न्यूक्लिक एसिड एकल-या डबल-कुंडलित हो सकता है। संपूर्ण संक्रामक वायरस कण, जिसे एक विषाणु कहा जाता है, में न्यूक्लिक एसिड और प्रोटीन का एक बाहरी आवरण होता है। सबसे सरल वायरस में केवल चार प्रोटीन को एनकोड करने के लिए पर्याप्त आरएनए या डीएनए होता है। सबसे जटिल 100 - 200 प्रोटीन को एन्कोड कर सकता है।

एक तरफ, **उनमें प्रमुख तत्व होते हैं जो सभी जीवित जीवों को बनाते हैं: न्यूक्लिक एसिड, डीएनए या आरएनए (किसी भी दिए गए वायरस में एक या दूसरा, परन्तु केवल कोई एक हो सकता है)।**

दूसरी ओर, **वायरस में इन न्यूक्लिक एसिड के भीतर निहित जानकारी को स्वतंत्र रूप से पढ़ने और क्रिया करने की क्षमता की कमी होती हैं।**

Q.24) Solution (c)

जलवायु वित्त डाटा पोर्टल (Climate Finance Data Portal)

यह पोर्टल जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) को लागू करने के लिए विकासशील देशों में वित्त पोषित गतिविधियों के बारे में जानकारी के लिए एक गेटवे (gateway) है।

विशेष रूप से, इसका उद्देश्य कन्वेंशन के वित्तीय तंत्र पर नज़र रखने में पक्षों (Parties) की सहायता करना तथा UNFCCC के तहत अंतरसरकारी प्रक्रिया को सूचित करना एवं अनुकूलन और शमन परियोजनाओं और अन्य गतिविधियों के कार्यान्वयन में कन्वेंशन के तहत विकासशील देशों का समर्थन करने के लिए संसाधनों के एकत्रण पर संबंधित हितधारकों को शामिल करना है।

जलवायु वित्त डेटा पोर्टल मॉड्यूल के बारे में

जलवायु वित्त डेटा पोर्टल उन वित्तीय संसाधनों की जानकारी प्रस्तुत करता है जो UNFCCC को गैर-अनुबंध I पक्षों (Non-Annex I Parties) को उपलब्ध कराए गए हैं। पोर्टल में निम्नलिखित चार मॉड्यूल शामिल हैं:

- "राष्ट्रीय संचार मॉड्यूल" (National Communications Module): यह मॉड्यूल अनुबंध, चौथे, पांचवें और छठे राष्ट्रीय संचार के माध्यम से कन्वेंशन के कार्यान्वयन से संबंधित वित्तीय संसाधनों के प्रावधान पर अनुलग्नक II पक्षों द्वारा संप्रेषित जानकारी प्रस्तुत करता है।
- "फास्ट-स्टार्ट वित्त मॉड्यूल" (Fast-start Finance Module): फास्ट-स्टार्ट वित्त का अर्थ है कि विकसित देशों द्वारा सामूहिक प्रतिबद्धता को नए और अतिरिक्त संसाधन प्रदान करना, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के माध्यम से वानिकी और निवेश शामिल हैं, 2010 - 2012 की अवधि के लिए

30 बिलियन अमरीकी डालर तक थे। मॉड्यूल पर फास्ट-स्टार्ट वित्त विकसित देश द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी प्रस्तुत करता है, अपनी प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराए गए संसाधनों पर, जिसमें विकासशील देश पार्टियां इन संसाधनों का उपयोग करती हैं।

- "GEF मॉड्यूल द्वारा प्रबंधित फंड (Funds Managed by the GEF Module)" UNFCCC के सचिवालय और GEF के सचिवालय के बीच एक संयुक्त प्रयास है। यह मॉड्यूल यूएनएफसीसीसी के वित्तीय तंत्र के परिचालन इकाई के रूप में जीईएफ द्वारा अपनी भूमिका के लिए वित्तीय प्रवाह पर जानकारी देता है, जो चैनल द्वारा जुटाए गए हैं, जुटाए जा सकते हैं। इस मॉड्यूल में निहित जानकारी को GEF की वेबसाइट से UNFCCC सचिवालय द्वारा आगे संशोधन के बिना सीधे पुनर्प्राप्त किया जाता है।
- "अनुकूलन कोष मॉड्यूल" (Adaptation Fund Module): यह मॉड्यूल अनुकूलन कोष बोर्ड द्वारा अनुमोदित संस्थाओं, परियोजनाओं और कार्यक्रमों से संबंधित अनुकूलन कोष (AF) प्रोजेक्ट डेटा की जानकारी प्रस्तुत करता है। इस मॉड्यूल में निहित जानकारी UNFCCC सचिवालय द्वारा आगे संशोधन के बिना AF की वेबसाइट से सीधे पुनर्प्राप्त की जाती है।

Q.25) Solution (d)

इन प्रजातियों के लिए एक विशिष्ट विशेषता यह है कि ये अपने अधिकांश युवाओं को एक थैली में लिए होती हैं। प्रसिद्ध मार्सुपियल्स में कंगारू, वल्लबीज़ (wallabies), कोआला, फलांगेरिफोर्मेस (phalangeriformes), ओपोसम (opossums), वॉम्बैट (wombats) और तस्मानियन डैविल (Tasmanian devils) शामिल हैं। कुछ कम चर्चित मार्सुप्यूल्स डनआर्ट्स (dunnarts), पोटोर्स (potoroos), क्यूसेकस (cuscuses) और विलुप्त थायलासिन (thylacine) हैं।

334 विलुप्त होने वाली प्रजातियों में से 70% ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप (मुख्य भूमि, तस्मानिया, न्यू गिनी और आसपास के द्वीपों) पर होती हैं। शेष 30% अमेरिका में पाए जाते हैं - जो मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका में, मध्य अमेरिका में तेरह और उत्तरी अमेरिका, मेक्सिको के उत्तर में एक है।

मार्सुपियल शब्द मार्सुपियम से निकला है, जो पेट की थैली (abdominal pouch) के लिए तकनीकी शब्द है। हालांकि 'मार्सुपियल' शब्द लैटिन शब्द 'मार्सुपियम' से आया है, जिसका अर्थ थैली (pouch) होता है, सभी मार्सुपियल में थैली नहीं होती है।

प्रकार:

- डास्युरिड्स (Dasyurids) - ये मांसाहारी मार्सुपियल्स होते हैं: क्वोल (quolls), टेसि डेविल (Tassy devil), टेसी टाइगर (Tassy tiger,), नुम्बैट्स (numbats), डनार्ट्स (dunnarts), एंटेकिंस (antechinus)।
- परमेलेमोर्फ्स (Peramelemorphs) - ये सर्वाहारी मार्सुपालिस होते हैं: बिलबी (bilbies) और बैंडिकूट्स (bandicoots)।
- डीप्रोटोडोन्ट्स (Diprotodonts) - ये काफी हद तक शाकाहारी मारसुपियल्स होते हैं: कंगारू, वॉलैबीज़, ओस्टम्स, कोआला, वॉम्बैट (wombats) ।

Q.26) Solution (d)

अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक (AIFB) भारत में एक वामपंथी राष्ट्रवादी राजनीतिक दल था। यह 1939 में सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर एक गुट के रूप में उभरा था।

सुभाष चंद्र बोस का मानना था कि कांग्रेस तत्काल संघर्ष शुरू करने के लिए पर्याप्त मजबूत थी तथा जनता इस तरह के संघर्ष के लिए तैयार थी।

इसलिए, उन्होंने त्रिपुरी में अपने अध्यक्षीय संबोधन में ब्रिटिश सरकार को स्वतंत्रता की राष्ट्रीय मांग को मंजूरी देने के लिए छह महीने का अल्टीमेटम दिया तथा ऐसा करने में विफल रहने पर एक जन सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ करने की घोषणा की। गांधीजी की धारणाएं बहुत अलग थीं। आंतरिक संघर्ष कांग्रेस के त्रिपुरी सत्र में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया, जो 8 से 12 मार्च 1939 तक आयोजित किया गया था।

बोस को अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई और रास्ता नहीं दिख रहा था। नेहरू ने मध्यस्थता करने की कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बोस को त्रिपुरी में या उसके बाद कांग्रेस सोशलिस्ट और कम्युनिस्टों का समर्थन भी नहीं मिला। इसके बाद मई में, सुभाष और उनके अनुयायियों ने कांग्रेस के भीतर एक नई पार्टी के रूप में फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन किया। तथा जब उन्होंने 9 जुलाई को AICC के प्रस्ताव के खिलाफ अखिल भारतीय विरोध का आह्वान किया, तो कार्यसमिति ने उन्हें बंगाल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से हटा दिया और उन्हें तीन साल के लिए किसी भी कांग्रेस कार्यालय में पदार्पण करने से रोक दिया।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना सुभाष चंद्र बोस ने 1939 - 1940 में की थी।	फॉरवर्ड ब्लॉक का उद्देश्य भारत की स्वतंत्रता के लिए एक सामूहिक आंदोलन आरंभ करना था। 1937 में चुनाव हुए, जबकि 1939 में पार्टी बनी, जिसका लक्ष्य चुनाव में भाग लेना नहीं था।

Q.27) Solution (a)

नोट: गलत कथन पूछे गए हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**सत्य**

यह संसद के ऐसे सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाता है, जो मंत्री नहीं है।	एक सदस्य सत्ता पक्ष या विपक्षी पार्टी से हो सकता है।	इस तरह के विधेयकों को केवल शुक्रवार को ही प्रस्तुत किया जा सकता है।

अतिरिक्त जानकारी:

- सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के संसद सदस्य एक निजी सदस्य विधेयक प्रस्तुत कर सकते हैं।
- निजी सदस्य विधेयक, अधिनियम बनने के लिए, दोनों सदनों में पारित होना चाहिए।
- एक बार दोनों सदनों में पारित हो जाने के बाद, विधेयक बनने के लिए राष्ट्रपति की सहमति भी अनिवार्य है।
- इस तरह के विधेयकों को केवल शुक्रवार को ही प्रस्तुत किया जा सकता है।
- संसद के निजी सदस्य बिलों की संख्या को 3 प्रति सत्र सीमित किया गया है।

Q.28) Solution (d)

भारतीय परिषद अधिनियम 1892 की विशेषताएं:

- अधिनियम ने विधान परिषदों में अतिरिक्त या गैर-आधिकारिक सदस्यों की संख्या में वृद्धि की:
  - केंद्रीय विधान परिषद: 10 - 16 सदस्य
  - बंगाल: 20 सदस्य
  - मद्रास: 20 सदस्य
  - बॉम्बे: 8 सदस्य
  - अवध: 15 सदस्य
  - उत्तर पश्चिमी प्रांत: 15
- 1892 में, 24 सदस्यों में से केवल 5 भारतीय थे।
- सदस्यों को बजट पर प्रश्न पूछने का अधिकार दिया गया था (जिसे भारतीय परिषद अधिनियम 1861 में रोक दिया गया था) जो जनहित के मामलों से संबंधित थे लेकिन इसके लिए 6 दिन का पूर्व नोटिस देना पड़ा था।
- वे पूरक प्रश्न नहीं पूछ सकते थे।
- इस अधिनियम के माध्यम से प्रतिनिधित्व का सिद्धांत शुरू किया गया था। जिला बोर्डों, विश्वविद्यालयों, नगर पालिकाओं, वाणिज्य मंडलों और ज़मींदारों को प्रांतीय परिषदों के सदस्यों की सिफारिश करने के लिए अधिकृत किया गया था। यह अप्रत्यक्ष चुनाव का एक रूप था।
- नए कानून बनाने और गवर्नर-जनरल की अनुमति से पुराने कानूनों को निरस्त करने के लिए विधान परिषदों को अधिकार दिया गया।

ध्यान दें:

- भारत सरकार अधिनियम 1909 द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव प्रस्तुत किए गए थे।

- वायसराय का पद भारत सरकार अधिनियम 1858 द्वारा सृजित किया गया था। ।

Q.29) Solution (b)

1955 से, केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा भारत में राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है।

राष्ट्रीय आय को मापने के तीन तरीकों को अपनाकर किसी देश की राष्ट्रीय आय का अनुमान समान आंकड़ों का उत्पादन करता है।

- पहली विधि में, यह सीधे राष्ट्रीय उत्पादन होता है, जिसका मूल्यांकन किया जाता है।
- दूसरी विधि में, यह वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री तथा उत्पादन से अर्जित आय है, जिसकी गणना होती है।
- और तीसरी विधि में, यह इन वस्तुओं और सेवाओं पर व्यय है, जो अनुमानित होता है।

Q.30) Solution (a)

भीड़ रोबोटिक्स (Swarm robotics) मल्टी-रोबोटिक्स का एक क्षेत्र है जिसमें बड़ी संख्या में रोबोट एक वितरित और विकेन्द्रीकृत तरीके से समन्वित होते हैं। यह सामाजिक कीड़ों से प्रेरित, कार्य की जटिलता की तुलना में स्थानीय नियमों और सरल रोबोट के उपयोग पर आधारित होते हैं।

हाल ही में यह समाचारों में था कि भीड़ रोबोटिक्स का इस्तेमाल स्व-चालित कारों को नियंत्रित करने के लिए किया जा रहा है।

छोटे रोबोटों की भीड़ का लाभ - बनाम एक बड़े रोबोट या एक लीड रोबोट के साथ एक भीड़ में- एक केंद्रीकृत नियंत्रण की कमी होती है, जो तीव्रता से विफलता का केंद्रीय बिंदु बन सकता है। यदि सिस्टम केंद्रीकृत है तथा एक रोबोट काम करना बंद कर देता है, तो पूरी प्रणाली विफल हो जाती है।

एक विकेंद्रीकृत प्रणाली में, कोई अन्य नेतृत्वकर्ता नहीं है, जो अन्य सभी रोबोटों को बताए कि क्या करना है। प्रत्येक रोबोट अपने निर्णय स्वयं करता है। यदि एक रोबोट भीड़ में विफल रहता है, तो भीड़ अभी भी कार्य पूरा कर सकती है।

Q.31) Solution (c)

एक **हरित निवेश योजना (GIS)** क्योटो प्रोटोकॉल के तहत व्यापार अधिशेष भत्ते (एएयू) से पर्यावरणीय लाभ प्राप्त करने की योजना को संदर्भित करता है। हरित निवेश योजना (GIS), अंतर्राष्ट्रीय उत्सर्जन ट्रेडिंग (IET) के ढांचे में एक तंत्र, IET की पर्यावरण अखंडता को संरक्षित करते हुए क्योटो प्रोटोकॉल के लक्ष्यों तक पहुंचने में अधिक लचीलापन प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

स्वच्छ विकास तंत्र (CDM) क्योटो प्रोटोकॉल (IPCC, 2007) में परिभाषित **लचीले तंत्रों** में से एक है जो उत्सर्जन में कमी वाली परियोजनाओं के लिए प्रावधान प्रदान करता है, कि जो प्रमाणित उत्सर्जन कटौती इकाइयों (CERs) को उत्पन्न करता है, वह उत्सर्जन व्यापार योजनाओं में कारोबार कर सकते हैं।

Q.32) Solution (d)

वितरित खाता-बही प्रौद्योगिकी (Distributed Ledger Technology -DLT) परिसंपत्तियों के लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए एक डिजिटल प्रणाली है जिसमें एक ही समय में कई स्थानों पर लेनदेन और उनके विवरण दर्ज किए जाते हैं। पारंपरिक डेटाबेसों के विपरीत, वितरित खाता-बही का कोई केंद्रीय डेटा स्टोर या प्रशासन कार्यक्षमता नहीं है। ब्लॉक चेन एक प्रकार की वितरित खाता-बही प्रौद्योगिकी है।

एक वितरित खाता-बही में, प्रत्येक नोड प्रत्येक क्रिया को संसाधित करता है और सत्यापित करता है, जिससे प्रत्येक क्रिया का रिकॉर्ड तैयार होता है तथा प्रत्येक क्रिया की सत्यता पर सहमति बनती है। एक वितरित खाता-बही का उपयोग स्थिर डेटा, जैसे कि रजिस्ट्री, और डायनेमिक डेटा, यानी लेनदेन को रिकॉर्ड करने के लिए किया जा सकता है।

Q.33) Solution (c)

क्रीमिया, खेरसोन के यूक्रेनी क्षेत्र के दक्षिण में स्थित है, जिसमें यह पेरेकोप स्थलडमरूमध्य से जुड़ा हुआ है, तथा रूस के कुबान क्षेत्र के पश्चिम में है, जहां से यह 2018 के बाद से क्रीमिया द्वारा जुड़ा हुआ है, हालांकि इसे क्रेच जलसंधि द्वारा अलग किया गया है।

क्रीमिया रूस समर्थक भावना का केंद्र है, जो अलगाववाद में फैल गया। क्षेत्र - यूक्रेन के काला सागर तट पर एक प्रायद्वीप है - जहाँ 2.3 मिलियन लोग रहते हैं, जिनमें से अधिकांश स्वयं को नस्लीय भावना में रूसी के रूप में पहचानते हैं और रूसी बोलते हैं।

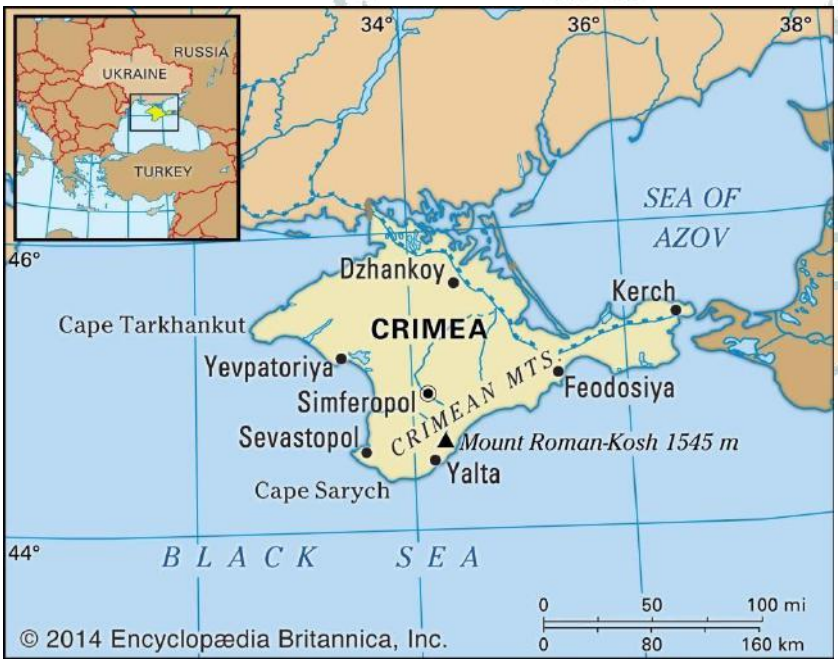

Q.34) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य
एक तेजड़िया बाजार (bull market) एक ऐसे बाजार को संदर्भित करता है जो बढ़ रहा है। यह मूल्य में निरंतर वृद्धि से चिन्हित किया जाता है, उदाहरण के लिए कंपनियों के शेयरों की कीमतों में इक्विटी बाजारों में वृद्धि से। इसके विपरीत, एक मंदड़िया बाजार (Bear Market) वह है जो गिरावट में है। शेयर की कीमतें लगातार गिरती जा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप निवेशकों का मानना है कि गिरावट जारी रहेगी।	एक मंदड़िया बाजार (Bear Market) के दौरान, अर्थव्यवस्था आमतौर पर धीमी हो जाएगी तथा बेरोजगारी बढ़ेगी क्योंकि कंपनियां श्रमिकों को निकालना आरंभ कर देती हैं।	निवेशक मंदड़िया बाजार के बजाय तेजड़िया बाजार में निवेश बाजार के रूप में विश्वास दिखाते हैं।

Q.35) Solution (d)

कन्नौज गुर्जर-प्रतिहारों की राजधानी बन गया, जिन्हें 10 वीं शताब्दी में आर्यावर्त के महाराजाधिराज के रूप में नामित किया गया था।

पाल साम्राज्य भारतीय उपमहाद्वीप पर उत्तर गुप्त काल के दौरान एक साम्राज्यीय शक्ति थी, जिसकी उत्पत्ति बंगाल के क्षेत्र में हुई थी।

राजधानियाँ: पाटलिपुत्र, बिक्रमपुर, गौर, मुंगेर

राष्ट्रकूट वंश ने 8 वीं से 10 वीं शताब्दी तक दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर शासन किया। अमोघवर्ष प्रथम ने मान्यखेत को अपनी राजधानी बनाया तथा एक बड़े साम्राज्य पर शासन किया। मान्यखेत साम्राज्य के अंत तक राष्ट्रकूट साम्राज्य की राजधानी बना रहा।

Q.36) Solution (c)

पूर्वांचल पर्वत अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और मेघालय राज्यों को कवर करते हैं।

श्रेणी उत्तर पूर्वी भारत में, हिमालयी शृंखला प्रणाली का एक पूर्वी विस्तार है। यह दिहांग नदी के तट के आगे दक्षिण की ओर तेजी से झुकती है, और म्यांमार के साथ भारत की पूर्वी सीमा तक फैली है। पूर्वांचल श्रेणी में पटकाई, बरेल श्रेणी, नागा पहाड़ी, लुशाई पहाड़ी और जामपुई पहाड़ी श्रेणियां शामिल हैं।

भौगोलिक रूप से, मेघालय में गारो पहाड़ी, खासी पहाड़ी और जयंतिया पहाड़ी शिलॉन्ग पठार का हिस्सा हैं, तथा पूर्वांचल श्रेणी का हिस्सा नहीं है।

महादेव श्रेणी, सतपुड़ा श्रृंखला का विस्तार है।

Q.37) Solution (d)

अतारांकित प्रश्न: एक अतारांकित प्रश्न को मंत्रालय से लिखित उत्तर प्राप्त होता है। उन्हें 15 दिन पहले जमा किया जाता है। एक दिन के लिए अधिकतम 160 अतारांकित प्रश्न लिए जाते हैं।

अतारांकित प्रश्न अनुवर्ती प्रश्नों की अनुमति नहीं देते हैं। यही कारण है कि वे डेटा / सूचना से संबंधित प्रश्नों पर उत्तर पाने के लिए अधिक अनुकूल होते हैं।

Q.38) Solution (c)

राजस्थान में समुद्र तट नहीं है।

भारत के सभी तटीय राज्यों में मैंग्रोव वन हैं।

भारत में शीर्ष 10 मैंग्रोव वन वाले राज्य

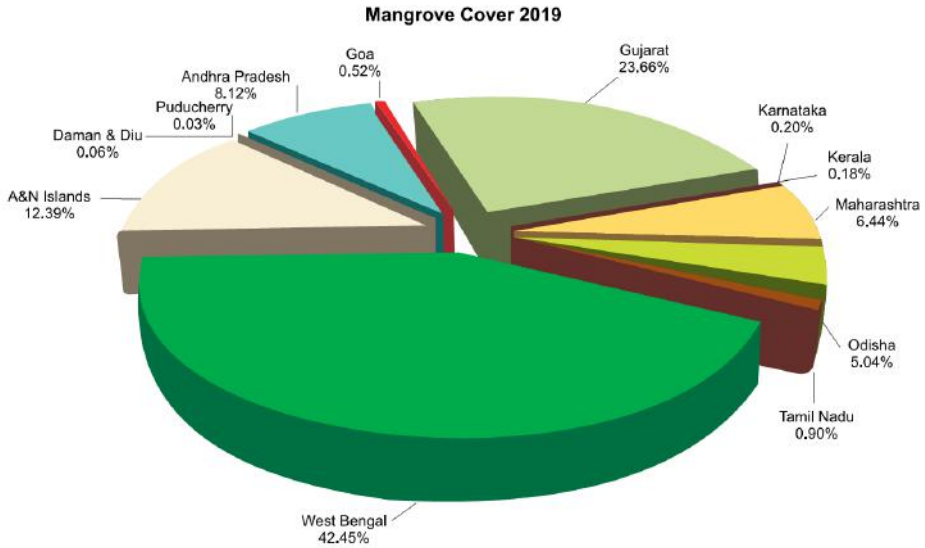

Q.39) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	असत्य

माना जाता है कि उनका जन्म वर्तमान बिहार में हुआ था। गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल में हुआ था।	महावीर ने ऋजुपालिका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे 12 वर्षों तक गहन ध्यान और गंभीर तपस्या की।	महावीर ने ध्यान के बाद कैवल्य प्राप्त किया तथा जिन (विजेता) बन गए। जैन धर्म में, निर्वाण मृत्यु को संदर्भित करता है। बौद्ध धर्म में निर्वाण का अर्थ, ज्ञान की प्राप्ति और परिनिर्वाण का तात्पर्य मृत्यु से है।

Q.40) Solution (a)

प्लास्टिक प्रदूषण, अपने जीवन-चक्र के सभी चरणों में उत्पन्न हो सकता है तथा मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरा पैदा कर सकता है। 2019 में, बेसल कन्वेंशन के लिए पार्टियों के सम्मेलन ने प्लास्टिक कचरे को संबोधित करने के लिए दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इन कदमों ने बेसल कन्वेंशन को विशेष रूप से प्लास्टिक कचरे को संबोधित करने के लिए एकमात्र वैश्विक कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन के रूप में मजबूत किया है। प्लास्टिक कचरे के संबंध में अपने दायित्वों को पूरा करने में पार्टियों की सहायता के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की जाती है।

Q.41) Solution (c)

बलबन (Balban)

- बलबन को उलुग खान के नाम से भी जाना जाता है, वह लगभग चहलगानी की शक्ति को तोड़ने में सफल रहा, जो सभी ग़लत तरीकों से सत्ता का लोभ उठाने की कोशिश कर रहे थे। वे सिंहासन के विरुद्ध साजिश करने के लिए उत्तरदायी थे। चहलगानी 40 मामलुकों के मंत्रियों की एक कुलीन परिषद की तरह थी जिन्होंने महत्वपूर्ण पद संभाला और राजा को सलाह देते थे।
- उन्होंने एक पृथक सैन्य विभाग की स्थापना की जिसे दीवान-ए-अर्ज़ के रूप में जाना जाता है जिसे अधिकारी अर्ज़ -ए-ममालिक के अधीन नियुक्त किया गया था।
- उन्होंने रक्त और लौह की नीति अपनायी तथा सजदा और पैबोस (साष्टांग प्रणाम और सम्राट पैर चुंबन) जैसी विभिन्न प्रथा की भी शुरूआत की।

Q.42) Solution (b)

औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (DIPP) का नाम बदलकर स्टार्ट-अप से जुड़े मामलों को देखने और व्यापार करने में आसानी (ease of doing business) की सुविधा प्रदान करने हेतु प्राधिकृत करते हुए **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग** कर दिया गया है।

Q.43) Solution (c)

बायोमैथेनेशन (Biomethanation) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा कार्बनिक पदार्थों को सूक्ष्म जीवों द्वारा अवायवीय स्थितियों में बायोगैस में परिवर्तित किया जाता है।

अवायवीय (Anaerobic) स्थिति का अर्थ बिना ऑक्सीजन के होता है। इस तरह के श्वसन में, मीथेन सह उत्पाद होता है।

भारत सरकार ने बायोमैथेनेशन की तकनीक को ठूंठ जलाने (stubble burning) के समाधान के रूप में प्रस्तुत किया है। पंजाब में छह बायोमीथेनेशन प्लांट बनाए जाने हैं जो धान के पुआल को बायो-गैस में परिवर्तित कर देंगे।

Q.44) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
UPSC अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं के लिए परीक्षा आयोजित करने और उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन के लिए उत्तरदायी है। UPSC एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है और DoPT के अंतर्गत नहीं आता है।	यह नीति के सूत्रधार और सरकार के वॉच-डॉग के रूप में कार्य करता है, यह सुनिश्चित करता है कि इसके द्वारा निर्धारित कुछ स्वीकृत मानकों और मानदंडों का पालन, भर्ती में, सेवा शर्तों का विनियमन, पोस्टिंग / स्थानान्तरण, कर्मियों के साथ-साथ अन्य संबंधित मुद्दों की प्रतिनियुक्ति में सभी मंत्रालयों / विभागों द्वारा किया जाता है।	यह अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं के लिए प्रशिक्षण नीतियों के निर्माण और समन्वय तथा राज्य सरकार के अधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए सहायता प्रदान करने के लिए भी उत्तरदायी है।

https://dopt.gov.in/about-us/functions/roles-responsibilities-0

Q.45) Solution (a)

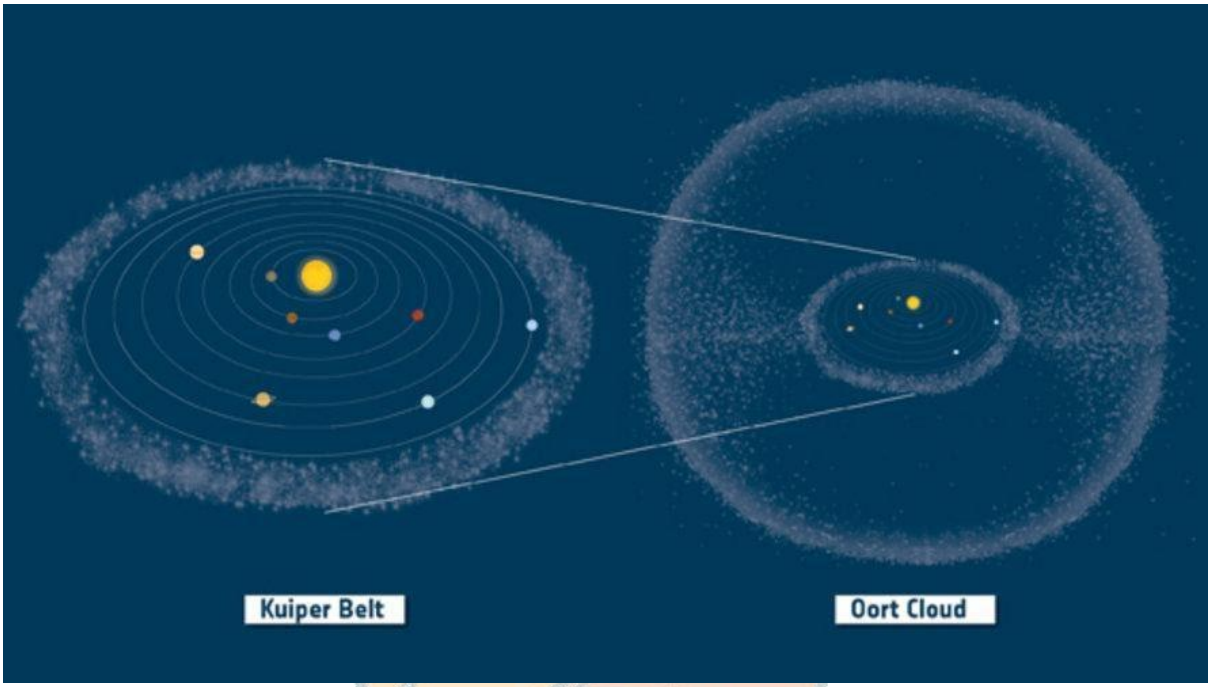

ऊर्ट क्लाउड (Oort Cloud) बर्फीले पिंडों का एक विस्तारित कवच है जो सौर मंडल की सबसे बाहरी पहुंच में मौजूद है। इसका नाम खगोल विज्ञानी जान ओर्ट के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने पहली बार इसके अस्तित्व को प्रमाणित किया। ऊर्ट क्लाउड लगभग गोलाकार होते हैं, और माना जाता है कि ये अधिकतर लंबी अवधि के धूमकेतु के मूल के रूप में दिखाई देते हैं।

Q.46) Solution (d)

चित्तू पांडे, जिसे लोकप्रिय रूप से शेर-ए बलिया (बलिया का शेर) कहा जाता है, एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और क्रांतिकारी थे।

उन्होंने बलिया में भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा दबाए जाने से पहले कुछ दिनों के लिए 19 अगस्त 1942 को घोषित राष्ट्रीय सरकार का नेतृत्व किया था। समानांतर सरकार कलेक्टर से सत्ता पाने और सभी गिरफ्तार कांग्रेस नेताओं को रिहा करने में सफल रही।

Q.47) Solution (a)

हर्ष (590–647 ई.), जिसे हर्षवर्धन के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय सम्राट था जिसने 606 से 647 ई. तक उत्तर भारत पर शासन किया था।

हर्ष की शक्ति के चरमोत्कर्ष पर, उसके साम्राज्य ने उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्से को कवर किया, जिसे पूर्व को कामरुप तक और दक्षिण को नर्मदा नदी तक विस्तारित किया तथा अंत में कन्नौज को (वर्तमान उत्तर प्रदेश राज्य में) अपनी राजधानी बनाया, और 647 ईस्वी तक शासन किया। हर्ष को नर्मदा

के युद्ध में चालुक्य वंश के दक्षिण भारतीय सम्राट पुलकेशिन द्वितीय ने हराया था, जब हर्ष ने अपने साम्राज्य का विस्तार भारत के दक्षिणी प्रायद्वीप में करने का प्रयास किया था।

Q.48) Solution (d)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**असत्य**
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का पहला सत्र बॉम्बे में आयोजित किया गया था।	INC के पहले अंग्रेजी अध्यक्ष जॉर्ज यूल थे। उन्होंने 1888 के इलाहाबाद सत्र की अध्यक्षता की थी।

Q.49) Solution (a)

राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष (NCEF) 2010-11 में बनाया गया एक कोष है जिसमें कार्बन कर - स्वच्छ ऊर्जा उपकर - सार्वजनिक क्षेत्र या निजी क्षेत्र की स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और नवीन परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए शामिल है, जो 40% की सीमा तक कुल परियोजना लागत का होता है। सहायता ऋण के रूप में या व्यवहार्यता अंतर निधि के रूप में उपलब्ध है, जैसा कि अंतर-मंत्रालय समूह द्वारा उचित समझा जाता है, जो इस तरह की परियोजनाओं के लाभों पर निर्णय लेता है।

इस कोष को सार्वजनिक खातों के तहत एक गैर-व्यपगत निधि (non lapsable fund) के रूप में डिज़ाइन किया गया है।

Q.50) Solution (b)

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने एक विशेष 'शक्ति पुरस्कार' की स्थापना की है। यह वार्षिक रूप से चुने गए कर्मियों को प्रदान किया जाएगा, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करते हैं।

यह पुरस्कार 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर घोषित किया गया था। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 19 मार्च को सीआरपीएफ स्थापना दिवस पर प्रदान किया जाएगा।

Q.51) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
वेवेल योजना में, संक्षेप में,	वायसराय की कार्यकारी परिषद में	इसका आईसीएस से संबंध नहीं

कार्यकारी परिषद के पूर्ण भारतीयकरण का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन सभी दलों को सभी समुदायों से कार्यकारी परिषद में सदस्यों को नामित करने के लिए कहने के बजाय, सीटों को धर्म और जाति के आधार पर सदस्यों के लिए आरक्षित किया गया। समता के आधार पर हिंदु जाति और मुसलमानों का प्रतिनिधित्व किया जा रहा है।	वायसराय और कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर सभी सदस्य भारतीय होंगे।	था।

Q.52) Solution (b)

न्योरा वैली राष्ट्रीय उद्यान (Neora Valley National Park) (कालिम्पोंग जिला, पश्चिम बंगाल) पूर्वी हिमालय में स्थित जैव विविधता से समृद्ध अछूता वन, एक वैश्विक 'जैव विविधता हॉटस्पॉट' है।

यह क्रमशः सिक्किम और भूटान के साथ इसकी उत्तरी और उत्तर-पूर्वी सीमाओं पर सन्निहित है तथा सिक्किम में पंगोलखा वन्यजीव अभयारण्य (Pangolakha Wildlife Sanctuary) और भूटान के टोर्सा स्ट्रिक्ट रिजर्व (Toorsa Strict Reserve) से जुड़ा है। यह कंचनजंगा लैंडस्केप का भी एक अभिन्न हिस्सा है।

न्योरा वैली राष्ट्रीय उद्यान एक महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र है जो प्रतिबंधित सीमा प्रजाति स्थल - स्थानिक पक्षी क्षेत्र, पूर्वी हिमालय और प्रतिबंधित संयोजित बायोम, चीन-हिमालयी समशीतोष्ण वन और चीन-हिमालयी उपोष्णकटिबंधीय वन के अंतर्गत आता है।

Q.53) Solution (b)

विलोपन विद्रोह (Extinction Rebellion) एक वैश्विक पर्यावरण आंदोलन है, जिसका उद्देश्य जलवायु प्रणाली, जैव विविधता हानि तथा सामाजिक और पारिस्थितिक पतन के जोखिम से बचने के लिए सरकारी कार्रवाई के लिए मजबूर करने के लिए अहिंसक नागरिक अवज्ञा का उपयोग करना है।

Q.54) Solution (a)

- तटीय मंदिर - 700-728 ई.
- बृहदेश्वर मंदिर - 1003 और 1010 ई.
- गोम्मतेश्वर की प्रतिमा - 983 ई.
- कंदरिया महादेव मंदिर - 1003-1035 ई.

Q.55) Solution (d)

भारतीय सामंतवाद शब्द का उपयोग तालुकेदार, जमींदार, जागीरदार, घटवाल, मुलरैयत, सरदार, मनकरी, देशमुख, चौधरी और सामंत के रूप में किया जाता है।

घटवाली अर्ध-सैन्य सेवाओं के लिए एक सामंती सामयिक / जागीर थी, जो केवल संथाल परगना और मुंगेर के कुछ हिस्सों में पाई जाती थी। इन जागीर के शासक प्रमुखों को घटवाल के नाम से जाना जाता था। वे धनुर्विदों और लठैतों के बल का उपयोग करके अपनी संपत्ति में रक्षा, सुरक्षा और कानून प्रवर्तन को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी थे

मनकरी (मनकारी या Maankari) एक वंशानुगत उपाधि है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के मराठा कुलीनों द्वारा उपयोग किया जाता है जिन्होंने भूमि अनुदान, और नकद भत्ते के प्राप्तकर्ता हैं।

सामंत एक उपाधि और स्थिति थी जिसका उपयोग भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में राजाओं की सेना के लोग करते थे। सामंत का संस्थागत रूप में पहली बार 6 वीं शताब्दी के उत्तर भारत के ऐतिहासिक लेखों में उल्लेख किया गया है। संस्थान को भारत में सामंतवाद की उत्पत्ति और वृद्धि के साथ माना जाता है।

Q.56) Solution (b)

अमेज़ॅन फंड को ब्राजीलियाई विकास बैंक (BNDES) द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

अमेज़ॅन फंड का उद्देश्य वनों की कटाई को रोकने, निगरानी और मुकाबला करने के प्रयासों में गैर-प्रतिपूर्ति योग्य निवेशों हेतु दान करना है, साथ ही साथ अमेज़ॅन बायोम में वनों के संरक्षण और सतत उपयोग को बढ़ावा देना है।

Q.57) Solution (c)

भारत 'हिंद महासागर आयोग' का एक पर्यवेक्षक सदस्य तथा 'हिंद-महासागर रिम एसोसिएशन' और 'शंघाई सहयोग संगठन' का स्थायी सदस्य है।

Q.58) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
विश्व में सबसे बड़ा थोरियम भंडार भारत में पाया जाता है।	भारत विश्व में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

Q.59) Solution (c)

भारतीय संविधान की 11 वीं अनुसूची को 1992 में 73 वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था। इस अनुसूची में 29 विषय शामिल हैं। इस अनुसूची में पंचायत की शक्तियां, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, बाजार, सड़क और पेयजल आदि जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

Q.60) Solution (d)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	असत्य	असत्य
प्रवर्तन निदेशालय (ED) राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय का हिस्सा है।	सीबीआई एक स्वतंत्र निकाय नहीं है क्योंकि यह डीएसपीई अधिनियम, 1946 से अपनी शक्ति प्राप्त करता है। सीबीआई एक वैधानिक निकाय नहीं है क्योंकि यह संसद के किसी भी अधिनियम द्वारा स्थापित नहीं है।	संविधान न्यायालयों को किसी कानून के निर्धारण का निर्देश देने की शक्ति नहीं देता है।

Q.61) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	सत्य	असत्य
स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व के विचार फ्रांसीसी संविधान से लिए गए थे। ये शब्द भारत के संविधान की प्रस्तावना में दिखाई देते हैं। कई अन्य देशों ने भी "स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व" के फ्रांसीसी नारे को एक आदर्श के रूप में अपनाया है।	हमारे सर्वोच्च न्यायालय को प्रशासित करने वाले कानून तथा "कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया" की अवधारणा को जापान के संविधान से अपनाया गया था।	भारतीय संविधान की प्रस्तावना अमेरिकी संविधान की प्रस्तावना से प्रेरित थी। दोनों प्रस्तावना "वी द पीपल" (हम भारत के लोग) से आरंभ होती हैं।

Q.62) Solution (c)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
जैविक भारत प्रतीक चिन्ह (Jaivik Bharat logo) गैर-जैविक उत्पादों से जैविक उत्पादों को पृथक करने के लिए एक पहचान चिह्न है।	भारत के लिए भागीदारी गारंटी प्रणाली (विकेंद्रीकृत जैविक खेती प्रमाणन प्रणाली) एक गुणवत्ता आश्वासन पहल है जो स्थानीय रूप से प्रासंगिक है, उत्पादकों और उपभोक्ताओं सहित हितधारकों की भागीदारी पर जोर देती है तथा तृतीय पक्ष के प्रमाणन की अवधारणा के बाहर काम करती है।

Q.63) Solution (c)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण का गठन वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 38 ए के तहत किया गया है	वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) भारत सरकार द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत गठित एक वैधानिक निकाय है, जो संगठित वन्यजीव अपराध का मुकाबला करता है। वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 के प्रावधान 4 सितंबर 2006 को लागू हुए। यह वर्ष 2008 से संचलन में है।

Q.64) Solution (a)

बिम्सटेक के सदस्य देश - बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल और भूटान - जो बंगाल की खाड़ी पर निर्भर देशों में से हैं।

Q.65) Solution (b)

RBI का 'ऑपरेशन ट्विस्ट' आरबीआई की एक साथ अल्पकालिक प्रतिभूतियों की बिक्री और खुले बाजार के संचालन (OMO) के माध्यम से दीर्घकालिक प्रतिभूतियों की खरीद है। इस तंत्र के तहत, अल्पकालिक प्रतिभूतियों से दीर्घकालिक प्रतिभूतियों को स्थानांतरित किया जा रहा है।

Q.66) Solution (b)

कल्याणकारी दृष्टिकोण

- यह दृष्टिकोण मनुष्य को सभी विकास गतिविधियों के लाभार्थियों या लक्ष्यों के रूप में देखता है।
- यह दृष्टिकोण शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक माध्यमिक और सुविधाओं पर उच्च सरकारी व्यय के लिए तर्क देता है।
- लोग विकास में भागीदार नहीं होते हैं बल्कि केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता होते हैं।
- कल्याण पर व्यय को अधिकतम करते हुए मानव विकास के स्तर में वृद्धि के लिए सरकार उत्तरदायी होती है।

Table 4.1: Approaches to Human Development

(a) Income Approach	This is one of the oldest approaches to human development. Human development is seen as being linked to income. The idea is that the level of income reflects the level of freedom an individual enjoys. Higher the level of income, the higher is the level of human development.
(b) Welfare Approach	This approach looks at human beings as beneficiaries or targets of all development activities. The approach argues for higher government expenditure on education, health, social secondary and amenities. People are not participants in development but only passive recipients. The government is responsible for increasing levels of human development by maximising expenditure on welfare.
(c) Basic Needs Approach	This approach was initially proposed by the International Labour Organisation (ILO). Six basic needs i.e.: health, education, food, water supply, sanitation, and housing were identified. The question of human choices is ignored and the emphasis is on the provision of basic needs of defined sections.
(d) Capability Approach	This approach is associated with Prof. Amartya Sen. Building human capabilities in the areas of health, education and access to resources is the key to increasing human development.

Q.67) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
हिंद महासागर आयोग' (Indian Ocean Commission) चार स्तंभों पर कार्य करता है जो 2005 में राज्यों के	पाँच पर्यवेक्षक भी हैं: चीन, भारत, माल्टा, यूरोपियन यूनियन और फ्रांसीसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन

प्रमुखों के शिखर सम्मेलन द्वारा अपनाया गया है: • राजनीतिक और राजनयिक सहयोग, • आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग • वैश्वीकरण के संदर्भ में सतत विकास, कृषि के क्षेत्र में सहयोग, समुद्री मछली पकड़ना, और संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्रों का संरक्षण • क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षिक और न्यायिक क्षेत्रों में सहयोग।	(Organisation internationale de la Francophonie)।

Q.68) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1929 सत्र अत्यधिक महत्व का था क्योंकि पूर्ण स्वराज की प्राप्ति को कांग्रेस के लक्ष्य के रूप में अपनाया गया था।	जिन्ना ने गांधी के प्रस्तावित सत्याग्रह अभियान को राजनीतिक अराजकता माना, तथा उनका मानना था कि संवैधानिक साधनों के माध्यम से स्व-शासन को सुरक्षित किया जाना चाहिए। एनी बेसेंट और बिपिन चंद्र पाल ने इसी कारण से कांग्रेस छोड़ दी।

Q.69) Solution (a)

इमा केथेल (Mother's Market), जिसे इमा मार्केट या नुपी केथेल (महिला बाजार) के नाम से भी जाना जाता है, विशेष रूप से मणिपुर के इंफाल में महिलाओं द्वारा संचालित एक बाजार है।

Q.70) Solution (b)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
स्थानीय हवा और मौसमी प्रारूप	खाड़ी और ज्वारनदमुख का आकार	सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की सापेक्ष

भी ज्वार को प्रभावित कर सकता है। मजबूत अपतटीय पवनें तट से दूर पानी ले जा सकती हैं, निम्न ज्वार के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। तटवर्ती पवनें तटरेखा पर पानी जमा करने का कार्य कर सकती हैं, वस्तुतः निम्न ज्वार के जोखिम को समाप्त करती हैं। उच्च दाब प्रणाली समुद्र के स्तर को कम कर सकती है, जिससे अपवाद स्वरूप निम्न ज्वार छोड़कर स्पष्ट धूप के दिनों को देखा जा सकता है। इसके विपरीत, कम-दाब प्रणाली जो बादल में योगदान करती है, बारिश की स्थिति जो आम तौर पर ज्वार से जुड़ी होती है जो कि पूर्वानुमान की तुलना में बहुत उच्च होता है।	भी ज्वार की तीव्रता को बढ़ा सकता है। विशेष रूप से कीप-आकार के खण्ड नाटकीय रूप से ज्वारीय परिमाण को बदल सकते हैं। संकीर्ण इनलेट और उथले पानी भी आने वाले ज्वार को नष्ट करने की प्रवृत्ति रखते हैं। ज्वारनदमुख में मजबूत ज्वारीय नदियां, वसंत में बहने वाली शक्तिशाली मौसमी नदी आने वाले ज्वार को गंभीर रूप से बदल सकती है या अवरोध बना सकती है।	दूरी (गुरुत्वाकर्षण खिचाव) और स्थिति, सभी पृथ्वी के दो ज्वारों के आकार और तीव्रता को प्रभावित करती हैं।

Q.71) Solution (d)

भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (IRNSS) के कुछ अनुप्रयोग: जिसे NavIC भी कहा जाता है

- स्थलीय, हवाई और समुद्री नेविगेशन
- आपदा प्रबंधन
- वाहन ट्रैकिंग और बेड़े प्रबंधन (fleet management)
- मोबाइल फोन के साथ एकीकरण
- सटीक समय
- मानचित्रण और भू-गणितीय डेटा कैप्चर करना (Mapping and Geodetic data capture)
- चालकों और यात्रियों के लिए स्थलीय नेविगेशन सहायता
- ड्राइवरों के लिए दृश्य और ध्वनि नेविगेशन (Visual and voice navigation)

Q.72) Solution (c)

बोरियल वन बायोम (Boreal Forest Biomes) - इस बायोम में जलवायु शीतोष्ण होती है, जहां ग्रीष्मकाल ठंडा होता है जबकि सर्दियाँ लंबी और अत्यधिक ठंडी हो सकती हैं। वनस्पति तुषार प्रतिरोधी सुई जैसी पत्तियों वाले सदाबहार वनों वाली होती है।

समशीतोष्ण वर्षावन बायोम (Temperate Rainforest Biomes) - इस प्रकार के बायोम में गर्मी के मौसम में अधिकतम वर्षा होती है जबकि कभी-कभार ठंढ भी देखी जा सकती है। वनस्पतियों में समशीतोष्ण सदाबहार वन शामिल होते हैं, जो तुषार संवेदनशील हो सकते हैं।

Q.73) Solution (b)

स्वस्थ पुन: उपयोग के लिए शहरी सीवेज धाराओं का स्थानीय उपचार (LOTUS-HR) कार्यक्रम

- यह जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार तथा नीदरलैंड वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है।
- इसका उद्देश्य एक नवीन समग्र (अपशिष्ट) जल प्रबंधन दृष्टिकोण का प्रदर्शन करना है जो स्वच्छ पानी का उत्पादन करेगा जिसका विभिन्न प्रयोजनों के लिए पुन: उपयोग किया जा सकता है।

Q.74) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
2016 में चीन की अध्यक्षता वाले G20 में हरित वित्त अध्ययन समूह (Green Finance Study Group-GFSG) को लॉन्च करने के प्रस्ताव को G20 वित्त और केंद्रीय बैंक गवर्नरों द्वारा अपनाया गया था।	अध्ययन समूह में चीन और यूनाइटेड किंगडम द्वारा सह-अध्यक्षता किया जाता है, जिसको सचिवालय के रूप में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण से समर्थन प्राप्त होता है।

Q.75) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
वर्तमान में, छह भाषाओं को 'शास्त्रीय' भाषा स्थिति का दर्जा दिया गया है: तमिल (2004 में घोषित), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और ओडिया (2014)।	ओड़िया नवीनतम भाषा है।

Q.76) Solution (a)

Explanation:

बायोवर्सिटी इंटरनेशनल (Bioversity International) एक वैश्विक अनुसंधान-विकास संगठन है, जो वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने तथा कृषि क्षेत्रों में कम आय वाले देशों में साझीदारों के साथ काम करने के लिए कृषि जैव विविधता का उपयोग करने एवं सुरक्षित करने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य, प्रबंधन प्रथाओं और नीति विकल्पों को वितरित करता है, जहां कृषि जैव विविधता बेहतर पोषण, लचीलापन, उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में योगदान दे सकती है।

बायोवर्सिटी इंटरनेशनल (Bioversity International), CGIAR (कंसल्टेंट ग्रुप फॉर इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल रिसर्च) का सदस्य है, जो खाद्य-सुरक्षित भविष्य के लिए वैश्विक अनुसंधान साझेदारी है।

क्या आप जानते हैं?

- 2019 में, Bioversity International ने उष्णकटिबंधीय कृषि के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (Bioversity International और CIAT के गठबंधन के रूप में) के साथ "कृषि आधारित जैव विविधता का दोहन तथा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए खाद्य प्रणालियों को निरंतर रूपांतरित करने के लिए" प्रेरित किया।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
बायोवर्सिटी इंटरनेशनल (Bioversity International) एक वैश्विक शोध-विकास संगठन है जो बेहतर आजीविका, पोषण, सततता और उत्पादकता तथा लचीली पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए कृषि जैव विविधता के संरक्षण और उपयोग की जांच करता है।	बायोवर्सिटी इंटरनेशनल की अंतरराष्ट्रीय स्थिति एक **स्थापना समझौते (Establishment Agreement)** के तहत प्रदान की जाती है जिसे कई देशों (भारत सहित) द्वारा हस्ताक्षरित किया गया था।

Q.77) Solution (c)

इथियोपिया, हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका में, महान भ्रंश घाटी द्वारा विभाजित एक बीहड़, भूमि-अवरुद्ध देश है।

इथियोपिया, हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका में सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला देश है। इरीट्रिया के 1993 के अलगाव के साथ, जो लाल सागर के साथ इसका पूर्व प्रांत था, इथियोपिया भू-अवरुद्ध देश बन गया।

Q.78) Solution (a)

Basic information:

Dalbergia sissoo, जिसे आमतौर पर उत्तर भारतीय शीशम के रूप में जाना जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप में तेजी से विकसित होने वाला, कठोर पर्णपाती शीशम का पेड़ है।

Dalbergia sissoo को आमतौर पर Rosewood या शीशम के नाम से जाना जाता है तथा यह एक बड़े पर्णपाती पेड़ का स्रोत है, जो भारत का मूल निवासी है, जिसमें एक हल्का मुकुट (light crown) होता है, जो बीज और चूसक (suckers) द्वारा पुन: उत्पन्न होता है।

Value Addition

- शीशम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेची जाने वाली सबसे अच्छी ज्ञात आर्थिक लकड़ी की प्रजाति है, लेकिन इसका उपयोग ईंधन की लकड़ी और छाया और आश्रय के लिए भी किया जाता है। सागौन के बाद, यह बिहार का सबसे महत्वपूर्ण लकड़ी का पेड़ है, जो भारत में शीशम लकड़ी का सबसे बड़ा उत्पादक है।
- शीशम बेहतरीन कैबिनेट और चमक वाली लकड़ी में से एक है। यह वह लकड़ी है जिससे 'मृदंगा', एक राजस्थानी वाद्य यंत्र उपकरण बनाया जाता है। संगीत वाद्ययंत्र के अलावा, यह प्लाईवुड, कृषि उपकरण, फर्श, और एक बेंत के रूप में, और मोड़ के लिए उपयोग किया जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- भारत ने लुप्तप्राय वन्य जीवों और वनस्पतियों की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से रक्षा के लिए बहुपक्षीय संधि (CITES), की परिशिष्ट II से (Dalbergia sissoo) को हटाने का प्रस्ताव दिया था।

- प्रजाति वर्तमान में CITES के परिशिष्ट II का हिस्सा है, जिसमें प्रजातियां के विलुप्त होने का खतरा आवश्यक नहीं होता है, लेकिन उनके अस्तित्व के साथ असंगत उपयोग से बचने के लिए व्यापार को नियंत्रित किया जाना चाहिए। लेकिन, भारत यह शीशम के लिए नहीं चाहता है।

Q.79) Solution (c)

Basic information:

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सामरिक साझेदारी, जिसे लाल किला घोषणा भी कहा जाता है, पर 1997 में तत्कालीन दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।

लाल किला घोषणा हाल ही में समाचारों में क्यों थी?

- भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने 20 वर्षीय रणनीतिक साझेदारी (लाल किला घोषणा) को अद्यतन करने का निर्णय लिया जब दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पीएम मोदी से गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में मुलाकात की।

क्या आप जानते हैं?

- लखनऊ घोषणा पत्र भी समाचारों में था।
- भारत और कई अफ्रीकी देशों ने आतंकवाद के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने तथा पहले भारत-अफ्रीका रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में अपनाए गए एक संयुक्त घोषणा में, सूचना, खुफिया और निगरानी साझा करके समुद्री सुरक्षा को संरक्षित करने के लिए सहयोग को गहरा करने का संकल्प लिया।
- लखनऊ घोषणा-पत्र में मजबूत अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी की आवश्यकता है।
- घोषणा में संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी तंत्र को मजबूत करने तथा आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है।

Q.80) Solution (b)

Explanation:

टैगा (Taigas) बोरियल वन, या उत्तरी शंकुधारी वन हैं। (टैगा रूसी शब्द है जिसका अर्थ "दलदली देवदार के वन" होता है) वे उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के उत्तरी हिस्सों में फैले हैं। वे आमतौर पर टुंड्रा के दक्षिण और समशीतोष्ण पर्णपाती वनों और घास के मैदानों के उत्तर में स्थित हैं। टैगा दक्षिण में रॉकी पर्वत के अल्पाइन क्षेत्रों और पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के सियरा क्षेत्र में भी फैला हुआ है। टैगा पृथ्वी पर सबसे बड़ा बायोम है। यह लगभग 20 मिलियन हेक्टेयर (50 मिलियन एकड़) भूमि, पृथ्वी के लगभग 17% भूमि क्षेत्र को कवर करता है।

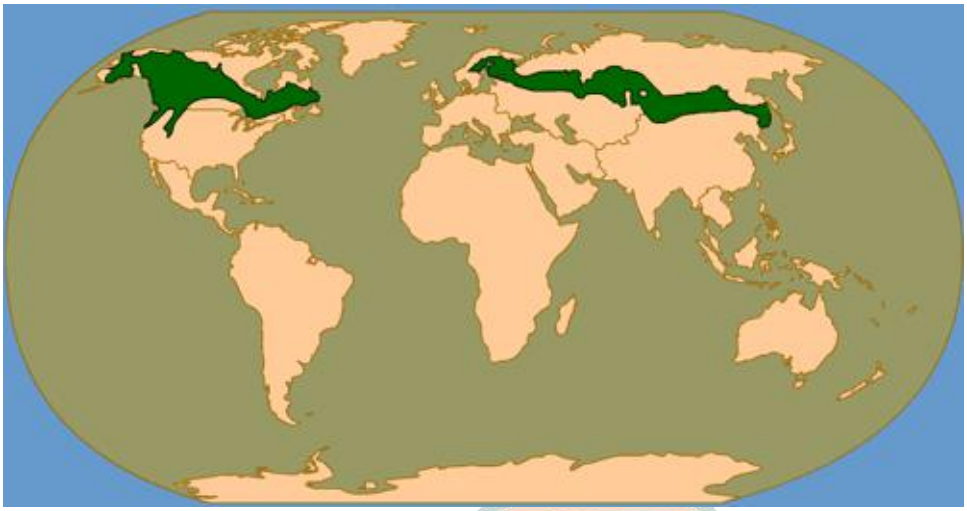

टैगा में एक शीत, कठोर जलवायु, वर्षा की निम्न दर और अल्प वृद्धि वाले मौसम की विशेषता होती है। लंबी, गंभीर सर्दियां 6 महीने तक रहती हैं, जिसमें औसत तापमान हिमांक से कम होता है। ग्रीष्मकाल छोटे होते हैं, जो संभवतः 50 से 100 दिनों तक के तुषार रहित होते हैं।

Q.81) Solution (a)

Explanation:

हाल के आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार,

- विश्व बैंक के अनुसार भारत निर्मित नई फर्मों की संख्या में तीसरे स्थान पर है।
- 2018 में लगभग 1.24 लाख नई फर्मों का निर्माण हुआ, जो 2014 में लगभग 70,000 से 80% की वृद्धि हुई है।
- एक जिले में नई फर्मों के पंजीकरण में 10% की वृद्धि से सकल घरेलू जिला उत्पाद (GDDP) में 1.8% की वृद्धि होती है।
- जिला स्तर पर उद्यमशीलता का जमीनी स्तर पर संपत्ति सृजन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में विनिवेश, भारत सरकार की ओर से भारत के राष्ट्रपति द्वारा सार्वजनिक संपत्ति की बिक्री की प्रक्रिया है, जो पूंजी बाजार में प्रत्यक्ष (सार्वजनिक रूप से बिक्री के लिए प्रस्ताव) या अप्रत्यक्ष (बोली प्रक्रिया) रूप से होता है।

वित्तीय वर्ष 1991-92 से 2017-18 तक राजनीतिक दलों के नेतृत्व वाली सरकार ने कुल 3,47,439 करोड़ की सार्वजनिक संपत्ति बेची।

बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार (1999-2004) ने अतीत में बड़े विनिवेश कदम उठाए, जिससे चार रणनीतिक विनिवेश हुए।

2014 से 2018 की शुरुआत में बीजेपी की अगुवाई में एनडीए सरकार ने कुल 64 1,94,646 करोड़ का विनिवेश किया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे लाभदायक कंपनियों की अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक हिस्सेदारी शामिल हैं।

विनिवेश रुझान:

वर्ष	परिसंपत्ति बिक्री द्वारा कुल प्राप्तियां	समायोजित मुद्रास्फीति के साथ कुल प्राप्तियां
2014-15	24,348	28,967
2016-17	46,247	50,620
2017-18	1,00,056	1,05,303
2018-19	84,972.16	84,972

Q.82) Solution (b)

Basic information:

अनुच्छेद 169 राज्यों में विधायी परिषदों के उन्मूलन या निर्माण से संबंधित है।

संविधान राज्यों में विधायी परिषदों के उन्मूलन या निर्माण का प्रावधान करता है। तदनुसार, संसद एक विधान परिषद (जहां यह पहले से मौजूद है) को समाप्त कर सकती है या इसे सृजित कर सकती है (जहां यह मौजूद नहीं है), यदि संबंधित राज्य की विधान सभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है।

इस तरह के एक विशिष्ट प्रस्ताव को राज्य विधानसभा द्वारा विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, अर्थात् विधानसभा की कुल सदस्यता का बहुमत तथा विधानसभा के उपस्थित और मतदान करने वालों का न्यूनतम दो-तिहाई बहुमत। संसद के इस अधिनियम को अनुच्छेद 368 के प्रयोजनों के लिए संविधान के संशोधन के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए तथा इसे कानून के एक साधारण भाग की तरह पारित किया जाता है (अर्थात, साधारण बहुमत द्वारा)।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
संविधान राज्यों में विधायी परिषदों के उन्मूलन या निर्माण का प्रावधान करता है।	संसद एक विधान परिषद (जहां यह पहले से मौजूद है) को समाप्त कर सकती है या इसका सृजन कर सकती है (जहां इसका अस्तित्व नहीं है), यदि संबंधित राज्य का विधान सभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है।

Q.83) Solution (c)

अनुच्छेद 51 A (e) - मौलिक कर्तव्यों के अनुसार, यह भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा: भारत के सभी लोगों के बीच धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या संप्रदाय विविधताएं तथा सामंजस्य और सामान्य भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना। महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक व्यवहार को त्यागना।

Q.84) Solution (d)

शब्द	विवरण
भूमि निम्नीकरण तटस्थता (*Land Degradation Neutrality*- LDN)	एक स्थिति, जिससे भूमि संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता, पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों और सेवाओं का समर्थन करने और खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक है, स्थिर बनी रहती है या निर्दिष्ट क्षेत्र और स्थानिक स्तर तथा पारिस्थितिक तंत्र के भीतर बढ़ती रहती है।
अनुकूलन (*Adaptation*)	"एक जीव के जीवन की उपस्थिति या व्यवहार या संरचना या मोड जो उसे किसी विशेष वातावरण में जीवित रहने की अनुमति देता है"।
समस्थिति (homeostasis)	स्थिर संतुलन को बनाए रखना, विशेष रूप से शारीरिक (शारीरिक भाग क्रियाओं के माध्यम से)। जैसे पसीना निकलने (sweating) की प्रक्रियाओं के माध्यम से आपके शरीर को ठंडा करना।
लचीलाता (*Resilience*)	क्षति का विरोध करने और तीव्रता से पुनर्स्थापित होने हेतु एक विक्षोभ या विचलन का प्रतिउत्तर देने की एक पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता

Q.85) Solution (d)

Explanation:

पंचायती राज प्रणाली की मुख्य विशेषताएं:

1. ग्राम सभा एक निकाय है जिसमें निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत सभी लोग शामिल होते हैं, जो ग्राम स्तर पर पंचायत के क्षेत्र में शामिल एक गाँव के होते हैं। ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था में सबसे छोटी और एकमात्र स्थायी इकाई है। **ग्राम सभा की शक्तियां और कार्य राज्य विधायिका द्वारा विषय पर कानून के अनुसार तय किए जाते हैं।**
2. सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित होती हैं तथा सभी स्तरों पर पंचायतों के अध्यक्ष पद अपनी आबादी के अनुपात में एससी और एसटी के लिए आरक्षित होते हैं।
3. कुल सीटों की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं। एससी और एसटी के लिए आरक्षित सीटें भी एक-तिहाई महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं। यह नीति सभी स्तरों पर अध्यक्ष के कार्यालय तक विस्तारित होती है (अनुच्छेद 243 डी)। आरक्षित सीटों को पंचायत में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के लिए रोटेशन द्वारा आवंटित किया जा सकता है।
4. प्रत्येक स्थान पर एक समान नीति होती है जिसमें प्रत्येक कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। कार्यकाल समाप्त होने से पहले नए सिरे से चुनाव कराए जाने चाहिए। विघटन की स्थिति में, छह महीने के भीतर अनिवार्य रूप से चुनाव (अनुच्छेद 243 ई) होना चाहिए।
5. पंचायतों के पास आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजनाओं को तैयार करने की जिम्मेदारी है, क्योंकि यह कानून के अनुसार विषयों के संबंध में है, जो ग्यारहवीं अनुसूची (अनुच्छेद 243 जी) में वर्णित विषयों सहित पंचायत के विभिन्न स्तरों तक विस्तृत है।

Q.86) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
अर्थव्यवस्था में सकल मूल्य परिवर्धन (GVA) देश की जीडीपी तथा सब्सिडी और करों का शुद्ध योग है GVA = जीडीपी + उत्पाद पर सब्सिडी - उत्पादों पर कर	जीवीए उत्पादकों के पक्ष या आपूर्ति पक्ष से अर्थव्यवस्था की स्थिति की जानकारी देता है, जबकि जीडीपी उपभोक्ताओं की तरफ से या मांग के परिप्रेक्ष्य में जानकारी देता है।

Q.87) Solution (c)

Explanation:

भारतीय रुपये में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है तथा वर्तमान में, रुपया सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा है।

एक कमजोर मुद्रा एक अर्थव्यवस्था को कई तरीकों से प्रभावित करती है:

1. वस्तुओं के लिए उच्च आयातित लागत (Higher landing cost for commodities)

- मुद्रा की कमजोरी से देश में आयात होने वाली वस्तुओं के लिए भूमि पर उच्च लागत होती है। कच्चा तेल और सोना ऐसी वस्तुओं के उदाहरण हैं जिनका घरेलू बाजार में अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों की तुलना में अधिक कारोबार होता है।

2. चालू खाते के घाटे पर प्रभाव

- कमजोर मुद्रा से भारत का चालू खाता घाटा (CAD) और अधिक बढ़ सकता है। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये से आयात की लागत बढ़ जाती है और रुपये में निर्यात राजस्व बढ़ जाता है।
- रुपये में मौजूदा कमजोरी ज्यादातर CAD को बढ़ाने के लिए उत्तरदायी है, जो कच्चे तेल के आयात बिल के कारण अधिक है।

3. प्रवाह पर प्रभाव

- विदेशी पूंजीगत अंतर्वाह आयात और निर्यात के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है। चूंकि हमारा आयात निर्यात से अधिक है, इसलिए व्यापार घाटे में वृद्धि की संभावना है।

4. मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ता है

- मुद्रा की कमजोरी के परिणामस्वरूप साथ-साथ मुद्रास्फीति पर दबाव होने की संभावना है। वस्तुओं की उच्च लागत समग्र आर्थिक गतिविधि पर दबाव डालेगी तथा केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति से निपटने के लिए अपनी मौद्रिक नीति को मोड़ने के लिए मजबूर कर सकती है।

5. जीडीपी पर प्रभाव

- उच्च मुद्रास्फीति से अर्थव्यवस्था की अल्पकालिक विकास संभावना पर भी असर पड़ने की संभावना है। कमजोर मुद्रा के कारण बढ़ी हुई इनपुट लागत कंपनियों के लाभ मार्जिन को प्रभावित कर सकती है।

6. भारतीय उद्योग के लिए ब्याज लागत में वृद्धि

- जब केंद्रीय बैंक दरों को बढ़ाता है तो कॉरपोरेटों को ब्याज लागत पर अतिरिक्त बोझ का सामना करना पड़ सकता है। इससे शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है।

7. विदेशी शिक्षा और विदेश यात्रा महंगी हो जाती है

- हालांकि, डॉलर के मुकाबले एक कमजोर रुपया आमतौर पर निर्यातकों और उन लोगों को लाभान्वित करता है जो देश में मुद्रा का उत्सर्जन कर रहे हैं।

Q.88) Solution (b)

Explanation:

- बेसल कन्वेंशन एक बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो खतरनाक अपशिष्ट की रिकवरी या निपटान के लिए सभी सीमापारीय संचलनों (transboundary movements) को नियंत्रित करता है।
- 2019 तक, 186 राज्य और यूरोपीय संघ कन्वेंशन के पक्षकार थे। हैती और संयुक्त राज्य अमेरिका ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है।

Q.89) Solution (a)

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
अनुच्छेद 82 के तहत, संसद प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन अधिनियम लागू करती है।	एक बार परिसीमन अधिनियम लागू होने के बाद, केंद्र सरकार एक सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, मुख्य चुनाव आयुक्त और संबंधित राज्य चुनाव आयुक्तों से बने परिसीमन आयोग की स्थापना करती है।

	आयोग को इस तरह निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या और सीमाओं का निर्धारण करना है कि सभी सीटों की जनसंख्या, जहां तक व्यावहारिक हो, एक समान है। अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की पहचान का भी काम आयोग को सौंपा गया है; ये वे हैं जहाँ उनकी जनसंख्या अपेक्षाकृत बड़ी है।

Q.90) Solution (a)

सही क्रम है - सतमाला> नल्लामला> ईरामला> पालकोंडा

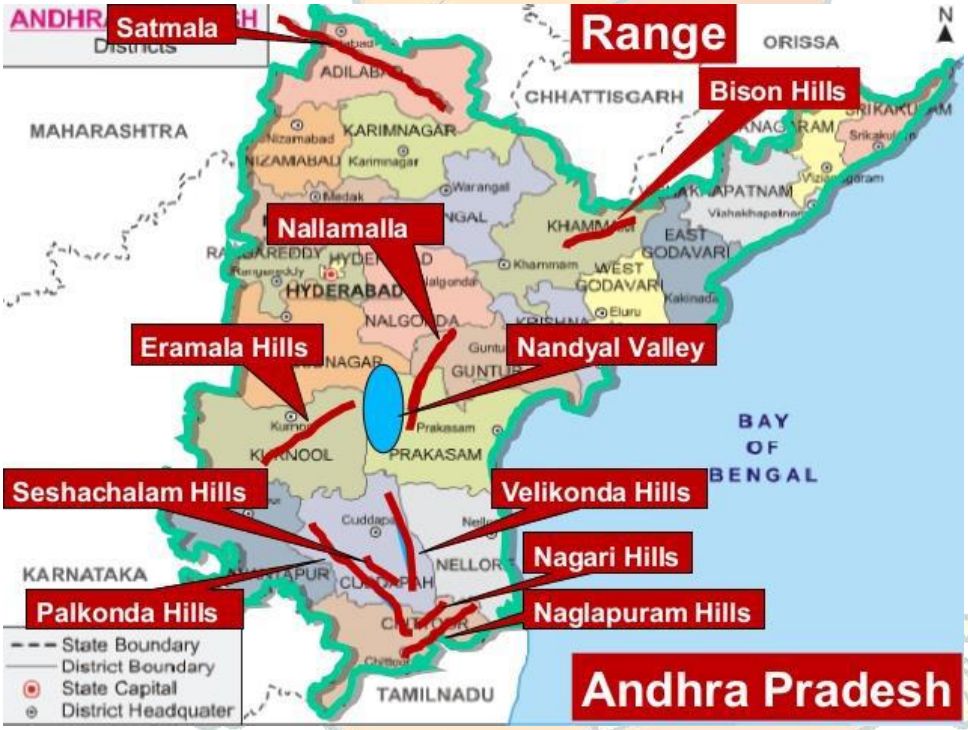

Q.91) Solution (d)

Explanation:

अनुच्छेद 13 घोषित करता है कि किसी भी मौलिक अधिकार के साथ असंगत या अपमानजनक सभी कानून शून्य हो जाएंगे।

कानून हो सकते हैं

- अध्यादेश;
- कार्यकारी आदेश;

- उप - कानून;
- नियम;
- विनियम;
- अधिसूचना;
- कानून की शक्ति वाले रीति-रिवाज या उपयोग

क्या आप जानते हैं?

- अनुच्छेद 13 "न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत" के लिए प्रावधान प्रदान करता है।
- सर्वोच्च न्यायालय (अनुच्छेद 32 के अनुसार) और उच्च न्यायालयों (अनुच्छेद 226 के अनुसार) किसी भी मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर एक कानून को असंवैधानिक और अमान्य घोषित कर सकता है।
- कृपया ध्यान दें: **"न्यायिक समीक्षा" शब्द संविधान में उल्लिखित नहीं है।**

Q.92) Solution (d)

Explanation:

अत्यधिक रोगजनक एशियाई एवियन इन्फ्लुएंजा एक (H5N1) वायरस

H5N1 एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है जो एवियन इन्फ्लूएंजा (या "बर्ड फ्लू") नामक पक्षियों में एक अत्यधिक संक्रामक, गंभीर श्वसन रोग का कारण बनता है। एच 5 एन 1 एवियन इन्फ्लूएंजा के मानवीय मामले कभी-कभी होते हैं, लेकिन संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचाना मुश्किल होता है।

Q.93) Solution (c)

Basic information:

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) केंद्र या राज्य सरकार को किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी तरह से पूर्व-न्यायिक प्रक्रिया से बचने के लिए हिरासत में लेने का अधिकार देता है।

सरकार किसी व्यक्ति को सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने या समुदाय के लिए आवश्यक आपूर्ति और सेवाओं को बनाये रखने के लिए भी गिरफ्तार कर सकती है। जिस अवधि के लिए किसी को हिरासत में लिया जा सकता है उसकी अधिकतम अवधि 12 महीने है। लेकिन सरकार द्वारा नए साक्ष्य मिलने पर इस कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है।

Explanation:

सामान्य स्थिति में, यदि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसे कुछ मूल अधिकारों की गारंटी दी जाती है। इसमें शामिल है -

- गिरफ्तारी का कारण सूचित करने का अधिकार।
- आपराधिक प्रक्रिया संहिता (Cr.PC) की धारा 50 में कहा गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार, और जमानत के अधिकार के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।

- Cr. PC का खंड 56 और 76 यह भी प्रदान करता है कि गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर एक व्यक्ति को न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना है।
- इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 22 (1) में कहा गया है कि एक गिरफ्तार व्यक्ति को परामर्श देने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है, और उसकी पसंद का कानूनी सहायक द्वारा बचाव किया जा सकता है।

लेकिन इनमें से कोई भी अधिकार एनएसए के तहत हिरासत में लिए गए व्यक्ति को उपलब्ध नहीं होते हैं।

- एक व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी के कारणों के बारे में पांच दिनों तक बिना बताये रखा जा सकता है, तथा असाधारण परिस्थितियों में 10 दिनों तक।
- गिरफ्तारी का आधार प्रदान करने पर भी, सरकार उन जानकारियों को वापस ले सकती है, जिन्हें वह सार्वजनिक हित के विरुद्ध मानती है।
- गिरफ्तार व्यक्ति किसी सलाहकार बोर्ड के समक्ष कार्यवाही से जुड़े किसी भी मामले में किसी भी कानूनी सहायक की सहायता का हकदार नहीं होता है, जिसे सरकार एनएसए मामलों से निपटने के लिए गठित करती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**सत्य**
राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया व्यक्ति किसी सलाहकार बोर्ड के समक्ष कार्यवाही से जुड़े किसी भी मामले में किसी भी कानूनी सलाहकार की सहायता का हकदार नहीं होता है, जो सरकार द्वारा एनएसए मामलों से निपटने के लिए गठित किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिए गए व्यक्ति को उनके खिलाफ आरोपों को बताए बिना 10 दिनों के लिए रखा जा सकता है। हिरासत में लिया गया व्यक्ति उच्च न्यायालय के सलाहकार बोर्ड के समक्ष अपील कर सकता है लेकिन उन्हें मुकदमे के दौरान वकील की अनुमति नहीं होती है। हिरासत में लिया गया व्यक्ति किसी भी कानूनी सहायता का हकदार नहीं होता है।	राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), जो देश में अपराध डेटा एकत्र करता है और उसका विश्लेषण करता है, एनएसए के तहत मामलों को अपने डेटा में शामिल नहीं करता है क्योंकि कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है। इसलिए, एनएसए के तहत निरोधों की सटीक संख्या के लिए कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

Q.94) Solution (d)

Explanation:

कॉरपोरेट कर में कटौती आर्थिक वृद्धि में मंदी से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का एक हिस्सा है।

कर कटौती के पीछे सबसे तात्कालिक कारण नाराजगी हो सकती है जो विभिन्न कॉर्पोरेट घरानों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ दिखाई है। उदाहरण के लिए, कई निवेशकों पर से अतिरिक्त करों से हटा दिया गया था जो कि बजट के दौरान सरकार द्वारा घोषित किए गए थे।

सरकार को उम्मीद है कि नई, निचली कर दरें देश में अधिक निवेश को आकर्षित करेंगी तथा घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेंगी, जिसमें मंदी देखी गई है।

कॉर्पोरेट कर की दर भी एक प्रमुख निर्धारक है कि कैसे निवेशक विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी आवंटित करते हैं। इसलिए विश्व भर की सरकारों पर लगातार दबाव है कि वे निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सबसे कम कर दरों की पेशकश करें। इसलिए, कॉरपोरेट करों में कटौती भारत को पूर्वी एशिया में दरों की तुलना में भारतीय कॉरपोरेट कर दरों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है।

हालांकि, कॉर्पोरेट कर को कम करने से सरकार को वार्षिक राजस्व हानि हो सकती है जो अपने वित्तीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है।

उसी समय, यदि यह अर्थव्यवस्था को पर्याप्त रूप से पुनर्जीवित करने का प्रबंधन करती है, तो वर्तमान कर कटौती कर संग्रह को बढ़ावा देने और राजस्व के नुकसान की भरपाई करने में मदद कर सकती है।

Q.95) Solution (a)

Explanation:

पौधे अक्सर रोगजनकों, शाकाहारी या प्रतिकूल मौसम की स्थिति से घायल हो जाते हैं। उनकी निर्जीव जीवन शैली उन्हें ऐसी स्थितियों के लिए अधिक बार संवेदनशील बनाती है।

स्वयं मरम्मत करने की क्षमता (Ability to repair)

- **पौधों में प्लेथोरा नाम का एक प्रोटीन होता** है जो पुनर्जनन प्रक्रिया में मदद करता है। यह CUC2 नामक एक अन्य जीन की अभिव्यक्ति को भी बांधता है और सक्रिय करता है। साथ में, प्लेथोरा और CUC 2 घाव स्थल पर **ऑक्सिन नामक पौधे के विकास हार्मोन के उत्पादन** को बढ़ाने में मदद करते हैं। इस प्रकार प्रोटीन-हार्मोन संयोजन घाव को ठीक करने की पौधे की क्षमता में सुधार करता है।

पुनर्जनन करने वाली शिराएं (Regenerating veins)

- शोधकर्ताओं ने पाया है कि घाव न केवल सतह पर ठीक हो गया बल्कि शिराओं को भी पुनर्जीवित कर दिया गया। भोजन, हार्मोन और पानी के परिवहन के लिए शिरा पुनर्जनन महत्वपूर्ण है। एक घाव के बाद कोई भी व्यवधान पौधे के विकास में बाधा उत्पन्न करेगा।
- शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि घाव का आकार बदलते ही मरम्मत की प्रकृति बदल जाती है।

नोट: फाइब्रिन प्रोटीन मानव घावों से संबद्ध है तथा पौधों के नहीं।

Q.96) Solution (b)

सफदरजंग का मकबरा मुगल वास्तुकला के अंतिम नमूनों में से एक है।

मुग़ल स्थापत्य कला का आखिरी भवन कुतुब रोड पर मौजूद है। मकबरा अवध के दूसरे नवाब मंसूर अली खान सफदरजंग के स्मरण में बना है।

हुमायूँ के मकबरे की तर्ज पर बनाया गया, यह एक खराब नकल है तथा यह पुराने भवन की तुलना में सौंदर्य और वास्तु दोनों स्तरों पर निम्न है।

तीन मंजिला पत्थरों वाले मकबरे में सिकंदरा स्थित अकबर के मकबरे में एक अद्भुत सौंदर्यता है, लेकिन सफदरजंग के मकबरे में भव्यता का अभाव है। फिर भी, यह एक दिलचस्प स्मारक है, जो लगभग 250 वर्ग मीटर के बगीचे के बीच स्थित है, और एक दीवार से घिरी हुई है, जिसमें अष्टकोणीय टॉवर खड़े हैं।

मकबरे के मध्य कक्ष में एक नक्काशीदार अज्ञात कक्ष (cenotaph) है, जिसके भीतर एक और कक्ष है जिसमें दो अचिह्नित कब्र हैं, जिनमें दोनों के ऊपर मिट्टी के टीले हैं। इसमें मिर्जा मुकीम अबुल मंसूर खान सफदरजंग और उसकी पत्नी बानू बेगम को दफनाया गया है।

स्मारक का निर्माण उनके बेटे शुजाउद्दौला द्वारा 3 लाख रूपए की लागत से किया गया था, जिसमें बहुत से संगमरमर और अन्य सामग्री खान-ए-खाना और अन्य मुगल इमारतों के मकबरे से खोदी गई थी, जिससे मकबरे को सजाया जा सके।

सफदरजंग का मकबरा अक्सर "मुगल वास्तुकला का अंतिम टिमटिमाता हुआ दीपक" के रूप में वर्णित होता है।

Q.97) Solution (b)

ओस (Dew)	**तुषार (Frost)**	**कोहरा और धुंध (Fog and Mist)**

ओस-जब नम ठोस वस्तुओं (जैसे सतह के ऊपर हवा में नाभिक की तुलना में) की ठंडी सतहों पर पानी की बूंदों के रूप में जमा होती है, जैसे कि पत्थर, घास की पत्ती और पौधे की पत्तियां, इसे ओस के रूप में जाना जाता है। इसके गठन की आदर्श स्थिति स्पष्ट आकाश, शांत हवा, उच्च सापेक्ष आर्द्रता तथा ठंडी और लंबी रातें हैं	ठंडी सतहों पर तुषार के रूप में जब संघनन हिमांक बिंदु (0 oC) से नीचे होता है, यानी ओसाँक बिंदु हिमांक बिंदु पर या नीचे होता है। अतिरिक्त नमी को पानी की बूंदों के बजाय सूक्ष्म बर्फ के क्रिस्टल के रूप में जमा किया जाता है। सफेद तुषार के गठन के लिए आदर्श परिस्थितियां ओस के गठन के लिए समान हैं, सिवाय इसके कि हवा का तापमान हिमांक बिंदु पर या नीचे होना चाहिए।	कोहरा और धुंध - जब एक बड़ी मात्रा में जल वाष्प वाले वायु द्रव्यमान का तापमान अचानक गिर जाता है, तो ठीक धूल कणों पर संघनन स्वयं के भीतर होता है। तो, कोहरा एक ऐसा बादल है जिसका आधार होता है या बहुत करीब भूमि होती है। कोहरे और धुंध की वजह से दृश्यता शून्य हो जाती है। शहरी और औद्योगिक केंद्रों में धुआं बहुत अधिक नाभिक प्रदान करता है जो कोहरे और धुंध के गठन में मदद करता है। धुंध में प्रत्येक नाभिक में नमी की एक मोटी परत होती है। पहाड़ों पर अक्सर हलचल होती है क्योंकि ढलान पर बढ़ती गर्म हवा एक ठंडी सतह से मिलती है। धुंध की तुलना में कोहरे अधिक होते हैं और वे प्रचलित होते हैं जहाँ हवा की गर्म धाराएँ ठंडी धाराओं के संपर्क में आती हैं। कोहरे लघु बादल होते हैं जिसमें धूल, धुएं और नमक के कणों द्वारा प्रदान किए गए नाभिक के चारों ओर संघनन होता है।

Q.98) Solution (d)

मरयूर गुड़ (Marayur jaggery)

- मरयूर गुड़ को आखिरकार भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिल गया है, जो उत्पादन के पारंपरिक तरीके को फिर से जीवंत करने और भविष्य में एक सुरक्षित बाजार सुनिश्चित करने के लिए खपत हेतु सुरक्षित बनाता है।
- मरयूर और कंथल्लूर ग्राम पंचायतों में किसानों की यह लंबे समय से मांग रही है, जहां बिना किसी रसायन को मिलाए गुड़ का उत्पादन किया जाता है। हालांकि मरयूर गुड़ हमेशा से ही अपनी उच्च

गुणवत्ता के लिए जाना जाता रहा है, नमकीन स्वाद के साथ नकली गुड़ को मरयूर गुड़ के रूप में बेचा जा रहा था।

- यह अगस्त 2016 से बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ, केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए गए लगातार प्रयास थे, जिसके परिणामस्वरूप गुड़ को जीआई टैग प्राप्त हुआ।

डिंडीगुल ताले (Dindigul lock) और चेट्टिनाडु साड़ी (कंडांगी) साड़ी- को 2019 में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिया गया था।

तवलोहलपुआन (Tawlhlohpuan)

- तवलोहलपुआन, मिजोरम से भारी, कॉम्पैक्ट, बुने हुए, अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े का एक माध्यम है, जो हाथ से बनाए जाने वाले ताना-बाना, बुनाई, कताई और जटिल डिजाइन के लिए जाना जाता है। मिज़ो भाषा में ताव्लोह, का अर्थ 'दृढ़ता से खड़े रहना या पीछे नहीं हटना' है। मिज़ोरम राज्य में तवलोहलपुआन, जो मिज़ो समाज में उच्च महत्व रखता है, का उत्पादन किया जाता है। आइजॉल (Aizawl) और थेनजॉल (Thenzawl) शहर उत्पादन का मुख्य केंद्र हैं।

मिज़ो पुंछी (Mizo Puanchei)

- मिज़ो पुंछी, रंगीन मिज़ो शॉल / कपड़ा मिज़ो वस्त्र के बीच सबसे रंगीन माना जाता है। यह प्रत्येक मिजो महिला और राज्य में एक महत्वपूर्ण विवाह पोशाक के लिए एक आवश्यक पहनावा है। यह मिज़ो उत्सव नृत्यों और आधिकारिक समारोहों में सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला पहनावा भी है। बुनकर इस सुंदर और आकर्षक कपड़ा बनाने के लिए बुनाई करते समय पूरक यार्न (supplementary yarns) का उपयोग करके डिजाइन और रूपांकनों को सम्मिलित करते हैं।

Q.99) Solution (a)

Explanation:

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2018 में आरंभ की गई टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता के लिए निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है।

योजना के अंतर्गत, प्रत्येक अधिसूचित टीबी रोगी (निक्षय पोर्टल पर पंजीकृत) को उस अवधि के लिए 500 रु प्रति माह टी बी रोधी उपचार हेतु प्रदान किया जायेगा।

'टीबी हारेगा, देश जीतेगा' अभियान सितंबर 2019 में आरंभ किया गया था जिसमें तीन स्तंभ - नैदानिक दृष्टिकोण, सार्वजनिक स्वास्थ्य घटक और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी शामिल है - जो 2025 तक टीबी को खत्म करने की रणनीति के एक भाग के रूप में है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2018 में आरंभ की गई टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता के लिए निक्षय पोषण योजना (Nikshay Poshan Yojana) एक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना है।	निक्षय पोषण योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक केंद्र प्रायोजित योजना है। (केंद्रीय क्षेत्रक योजना नहीं है)

Q.100) Solution (b)

भारत कूलिंग एक्शन प्लान (India Cooling Action Plan)

- विश्व ओजोन दिवस पर, भारत के कूलिंग एक्शन प्लान को संयुक्त राष्ट्र की सराहना मिली
- भारत मार्च, 2019 में व्यापक शीतलन कार्य योजना विकसित करने वाले विश्व के पहले देशों में से एक है
- दीर्घकालिक दृष्टि क्षेत्रों में शीतलन आवश्यकता को संबोधित करना है

इंडिया कूलिंग एक्शन का लक्ष्य है

- 2037-38 तक 20% से 25% क्षेत्रों में कूलिंग (शीतलन) मांग को कम करना,
- 2037-38 तक रेफ्रिजरेशन मांग को 25% से 30% तक कम करना,
- 2037-38 तक कूलिंग ऊर्जा आवश्यकताओं को 25% से 40% तक कम करना,
- राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के तहत अनुसंधान के एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में "कूलिंग और संबंधित क्षेत्रों" को पहचानना
- 2022-23 तक 100,000 सर्विसिंग सेक्टर तकनीशियनों का प्रशिक्षण और प्रमाणन, स्किल इंडिया मिशन के साथ समायोजन करना।